संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 344
पृष्ठ 8
रविवार
07 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दिमाग को शार्प बनाना है तो इन... | विचार- जीएसटी सुधार या भूल सुधार | खेल- अभ्यास सत्र के दौरान बिना प्रायोजक...

मुख्यमंत्री बोले- नो हेलमेट... नो फ्यूल अभियान अच्छा

ग्रामीण रोडवेज बसों का किराया 20 फीसदी होगा कम

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित परिवहन विभाग के कार्यक्रम में पहुंचे। इस मंच से उन्होंने प्रदेश को ग्रामीण जनता सेवा का तोहफा दिया। इसके तहत लखनऊ समेत प्रदेशभर में 250 बसें संचालित की जाएंगी। प्रत्येक डिपो की 10: फ्लीट जनता सेवा की होगी। ये बसें 75–80 किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगी। इसका किराया 20 प्रतिशत तक कम होगा। सीएम आरटीओ कार्यालय से जुड़े 48 कामों के आवेदन के लिए डेढ़ लाख जन सुविधा केंद्रों सहित कई श्रेणियों में बसों की सौगात दी। इस मौके पर सीएम ने परिवहन मंत्री की चुटकी लेते हुए कहा कि आज मंत्री जी जल्दी आ गए, हम तो सोचे थे कि 12 बजे तक आएंगे। लेकिन, आज पहले आ गए। यह प्रमाण है कि परिवहन बदल रहा है। परिवहन विभाग

चुनौतियों से जूझने के लिए तैयार है। फाइल लटकाने की आदत खत्म करनी होगी। समय की प्रतिबद्धता तय करनी होगी। कुंभ और कोरोना के दौरान परिवहन विभाग ने करके दिखाया है। उस वक्त यूपी वासियों को उनके गांव तक पहुंचाया। उत्तराखंड के प्रवासी को भी पहुंचाया। चालक– परिचालकों ने सफलता पूर्वक पहुंचाया। महाकुंभ में भी परिवहन विभाग ने 45 दिन में तमाम लोगों की सेवा की। उन्हें पुण्य कमाने में मदद की। रेलवे स्टेशन से लोगों को बाहर पहुंचने में मदद की। परिवहन विभाग हमेशा प्रदेश के अंदर समय का साथी है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। आज कई नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। सीएम ने कहा कि बेहतरी के लिए तैयार रहना होगा। सड़क सुरक्षा चुनौती है। यह हमारी ही जिम्मेदारी है। इसके लिए कोरोना की तरह ही लोगों को जागरूक करना होगा। क्योंकि, सड़क हादसों में लगातार मौतें हो रही हैं। अब हमें उसे न्यूनतम स्तर पर लाना है। यदि परिवहन निगम की लापरवाही से जनहानि होती है तो आर्थिक और सामाजिक दोनों तरह की क्षति होती है।

ड्राइवर का हर तीन माह में मेडिकल फिटनेस होना चाहिए। ये सुनिश्चित करें कि चालक अंदाजे से न चलें। क्योंकि, बस में बैठे व्यक्ति की हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें। तत्परता दिखाएं। विभिन्न संस्थाओं को साथ जोड़ें। स्कूल कॉलेज में जागरूक करें। बताएं कि हेलमेट से कैसे बचा सकता है। शराब कैसे जनहानि पहुंचा सकती है। ये सारी बातें लोगों को बताएं। ताकि लोगों की जान बचाई जा सके। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में आगे कहा कि श्नो हेलमेट... नो फ्यूलश् अभियान अच्छा है। इस तरह छोटे–छोटे प्रयासों की जरूरत है। सड़क सुरक्षा के लक्ष्य के लिए सभी को साथ लगना होगा। यूपी पुलिस को भी कहा है। उन्होंने एप विकसित किया है। काम किया तो परिणाम निकले हैं। जहां 18 दुर्घटनाएं होती थीं, वह तीन पर आ गई हैं। इस तरह के प्रयोग करना होगा।

परिवहन विभाग के अधिकारियों को उतरना पड़ेगा। टैंपो, रिक्शा, ट्रक के खड़े होने की जगह तय करनी होगी। यह परिवहन विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी है। नेट जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन पर कार्य करना होगा। नगर और परिवहन विभाग मिलकर तीन लाख नई नौकरी विकसित कर सकते हैं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करें। कोई नाबालिग गाड़ी न चलाने पाए। यह सुनिश्चित करना होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरटीओ कार्यालय से जुड़े 48 कामों के आवेदन के लिए 1. 50 लाख जन सुविधा केंद्रों का उद्घाटन भी किया। साथ ही आठ इलेक्ट्रिक एसी डबल डेकर बसों, 16 इलेक्ट्रिक बसों, छह रिट्रोफिट इलेक्ट्रिक, 10 सीएनजी बसों, दो अन्य श्रेणी की एसी बसों, टाटा कंपनी की 20 साधारण बसों, आयशर कंपनी की 43 बसों का भी उद्घाटन किया। साथ ही 400 बीएस–सिक्स बसों का भी शुभारंभ हुआ। परिवहन विभाग की 11 इंटरसेप्टरों को भी हरी झंडी दिखाई गई। बताते चलें कि ग्रामीण जनता सेवा की बसों के लिए अलग से रूट बनाए जाएंगे। रूट के चालक–परिचालकों को 80: लोड फैक्टर लाना होगा। इससे अधिक कमाई होने पर चालक–परिचालक में कमीशन 50–50 फीसदी बांटा जाएगा। 2.6 पैसे प्रति किमी की दर से ड्राइवर व कंडक्टर को भुगतान किया जाएगा। जिन डिपो में जो बसें 8 से 10 साल की आयु पूरी कर चुकी होंगी, उन्हीं बसों को ग्रामीण जनता सेवा में चलाया जाएगा। अभी रोडवेज बसों का किराया 1.30 रुपये प्रति किमी की दर से यात्रियों से लिया जाता है, लेकिन जनता सेवा में 1.04 रुपये प्रति किमी की दर से लिया जाएगा।

यमुना का जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से ऊपर

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर घट रहा है लेकिन निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बरकरार है क्योंकि जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से ऊपर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुराने रेलवे पुल का जलस्तर कई दिनों में पहली बार 207 मीटर से नीचे गिरकर 206.36 मीटर हो गया है जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है। हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी की मात्रा में कमी आने के बाद दिल्ली में यमुना के जलस्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके चलते शनिवार सुबह यमुना का जलस्तर घटकर 207 मीटर से नीचे आ गया। केंद्रीय जल आयोग का अनुमान है कि जलस्तर में यह गिरावट आगे भी जारी रहेगी। शाम तक इसके जलस्तर में और गिरावट आने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के उत्तर, उत्तर–पूर्वी, शाहदरा, पूर्वी, केंद्रीय और दक्षिण–पूर्वी जिले बाढ़ से प्रभावित हैं।

अब तक निचले इलाकों में रहने वाले लगभग 15 हजार लोग प्रभावित हुए हैं जिनके लिए राहत शिविर बनाये गये हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और धैर्य बनाए रखने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि सरकार, प्रशासन, एनडीआरएफ, जनप्रतिनिधि, नागरिक संस्थाएं और सामाजिक संगठन मिलकर इस चुनौती से निपट रहे हैं तथा शीघ्र ही स्थिति पर पूर्ण नियंत्रण पा लिया जाएगा।

अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर, विकास ठप–तेजस्वी

पटना, एजेंसी। राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को बिहार में विकास की कमी को लेकर एनडीए के नेतृत्व वाली बिहार सरकार पर निशाना साधा। पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ गया है। बिहार का यही हाल है। शिक्षा, सिंचाई और स्वास्थ्य सेवा की हालत देखिए। प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति निवेश के मामले में बिहार सबसे खराब स्थिति में है। किसानों की आय के मामले में बिहार सबसे निचले पायदान पर है। यहाँ न कोई उद्योग है, न कोई व्यवसाय। तेजस्वी यादव की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राज्य में साल के उत्तरार्ध में होने वाले विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले, तेजस्वी यादव ने कल बिहार बंद के विरोध प्रदर्शन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा ने बिहार में दुनिया भर की ठगी को बढ़ावा दिया। एक्स पर शेयर की गई एक पोस्ट में, यादव ने कहा, बिहार बंद के लिए, वे रैली की तरह ही लोगों को काम पर रख सकते थे। जैसे वे रैलियों में पुलिस और प्रशासन पर दबाव डालते हैं, वैसे ही बंद के लिए, वे खुद पुलिस से कह सकते थे कि ट्रैफिक रोक दिया जाए। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी, भाजपा ने कल बिहार में दुनिया भर की गुंडागर्दी का परचम लहरा दिया। तेजस्वी ने आगे कहा कि भाजपा के गुंडों ने खुलेआम महिलाओं और शिक्षिकाओं को पीटा, गर्भवती महिलाओं को रोका, बुजुर्गों को धक्का दिया, छात्राओं के साथ बदसलूकी की, बच्चों को स्कूल जाने से रोका, एम्बुलेंस रोकी और शहीदों के परिवारों को पीटा। उन्होंने आगे कहा, लेकिन फिर भी ये निकम्मे लोग एक वार्ड तो दूर, एक पंचायत भी बंद नहीं करा पाए! शर्म आनी चाहिए! तेजस्वी यादव ने कहा कि सिर्फ ट्विटर पर ही नहीं, हम हर जगह कहते हैं कि हम बिहार का हाल देख रहे हैं। 20 साल तक बिहार पर राज करने वालों ने क्या किया?... शिक्षा, कमाई, सिंचाई, स्वास्थ्य सेवा, प्रति व्यक्ति आय, निवेश की स्थिति देखिए... इन लोगों ने पहले इस बारे में बात क्यों नहीं की? अब जब चुनाव आ गया है और तेजस्वी इस बारे में बात कर रहे हैं, तो वे ऐसा कर रहे हैं... ये लोग किसे बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रहे हैं?

जीएसटी दरों में छूट का लाभ आम लोगों को मिले, यह सुनिश्चित करे सरकार :रमेश

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती करके आम लोगों को फायदा पहुंचाने का प्रयास हुआ है लेकिन अब यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इस पहल से खास लोग ही नहीं बल्कि जन सामान्य लाभान्वित हों। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि सरकार को इस बात पर भी नजर रखनी है कि क्या जीएसटी दरों में कटौती से सामान्य उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में कमी आ रही है। इस पर नजर रखने के लिए उसे फिर से राष्ट्रीय मुनाफाखोरी निरोधक प्राधिकरण–एनएए को सक्रिय करना पड़ेगा। इस प्राधिकरण को एक अधिसूचना के माध्यम से सरकार ने ही लगभग निष्क्रिय कर दिया था और अब उम्मीद की जानी चाहिए कि जीएसटी की नयी दरें लागू होने के बाद एनएए को फिर से सक्रिय कर दिया जाएगा।

हेरिटेज होटल्स सिर्फ व्यवसाय नहीं बल्कि अतीत और वर्तमान के बीच सेतु–शेखावत

जयपुर,एजेंसी। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा है कि हेरिटेज होटल्स सिर्फ व्यवसाय नहीं हैं बल्कि अतीत और वर्तमान के बीच सेतु हैं। ये हमारे कारीगरों को सम्मान और युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार देते हैं। श्री शेखावत ने शनिवार को कैसल कानोता में इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) के 12वें वार्षिक सम्मेलन और 24वीं वार्षिक आम बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार इसको लेकर प्रतिबद्ध है कि न केवल हेरिटेज होटलों को टूरिज्म योजनाओं का अभिन्न हिस्सा बनाया जाएगा बल्कि कंजर्वेशन के लिए इंसेंटिव और सर्टिफिकेशन को भी मजबूत किया जाएगा। आईएचएचए के साथ सक्रिय साझेदारी की दिशा में सक्रियता के साथ काम किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि देश के अन्य हिस्सों के अलावा राजस्थान को वैश्विक रोमांटिक हेरिटेज डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने का समय आ गया है। उन्होंने कुछ सुझाव देते हुए कहा कि सबसे पहले राजस्थान में रोमांटिक हेरिटेज सर्किट बनाया जा सकता है, जिसमें जयपुर, शेखावाटी, उदयपुर, जोधपुर और आईएचएचए की चुनिंदा 12 प्रॉपर्टीज शामिल की जा सकती है जिन्हें वेडिंग्स, फिल्म शूट्स, माइस् (एमआईसीई) और एक्सपीरिएंशल टूरिज्म के लिए खासतौर पर आकर्षक बनाया जा सकता है। बकायदा इसके लिए स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद योजना से फंडिंग ली जा सकती है।

उन्होंने सुझाव दिया कि एक हेरिटेज होटल मॉडर्नाइजेशन फंड (एचएचएमएफ) बने, जिससे कंजर्वेशन, फायर सेफ्टी और एनर्जी अपग्रेड जैसी जरूरतें पूरी हों। इसके अलावा मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज्म के सहयोग से रोमांटिक हेरिटेज सर्टिफिकेशन शुरू किया जा सकता है, जो होटल की ऑथेंटिसिटी और रोमांस–रेडी सुविधाओं को दर्शाने वाला हो। श्री शेखावत ने कहा कि हेरिटेज होटलों को स्थानीय युवाओं और कारीगरों के लिए स्किल एंड क्राफ्ट हब्स बनाया जा सकता है ताकि रोजगार और सांस्कृतिक पहचान दोनों को बढ़ावा मिल सके। साथ ही, वेडिंग टूरिज्म के लिए टूलकिट तैयार की जा सकती है, जिसके लिए आईएचएचए को फिल्म बोर्ड्स से जोड़कर डिजिटल स्टोरीज और डॉक्युमेंट्रीज को प्रोत्साहन मिल सकता है। उन्होंने आईएचएचए के सदस्यों से अपील की कि वे सभी होटल्स की ऑफिशियल मंजूरी और रिन्यूअल्स समय पर करवाएं, ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर विजिबिलिटी मिल सके।

उमर अब्दुल्ला ने अनंतनाग जिले में बाढ़ प्रभावित परिवारों से की मुलाकात

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अनंतनाग जिले में बाढ़ से प्रभावित परिवारों को आश्वासन दिया है कि संकट की इस घड़ी में सरकार उनके साथ है और राहत एवं पुनर्वास के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। श्री अब्दुल्ला ने अनंतनाग जिले में बाढ़ से प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढाढ़स बंधाया और सरकार से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान उनके साथ उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, मंत्री सकीना इत्तु, मंत्री जावेद राणा, मुख्यमंत्री सलाहकार नासिर सोगामी और जिले के विधायक भी मौजूद रहे। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार शनिवार को झेलम और राज्य की अन्य नदियाँ खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। अनंतनाग में संगम के पास सुबह 11 बजे झेलम खतरे के निशान से काफी नीचे 11. 50 फीट के स्तर पर बह रही है, जबकि श्रीनगर में राम मुंशी बाग में 16.20 फीट के स्तर पर बह रही है, जो खतरे के निशान से नीचे है। वहीं अशाम में झेलम का स्तर 12.55 के स्तर पर था। अधिकारियों के अनुसार अभी घाटी में बाढ़ का कोई खतरा नहीं, लेकिन ऐहतियात के तौर पर निचले और संवेदनशील इलाकों में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह लगातार बारिश के कारण झेलम और उसकी सहायक नदियों का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया था, जिसके कारण कश्मीर में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। बुधवार को हालांकि जलस्तर कम होने लगा, लेकिन फिर गुरुवार को झेलम का जलस्तर काफी बढ़ गया।

तिहाड़ जेल में सांसद इंजीनियर राशिद पर ट्रांसजेंडर कैदियों का हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के नेता और सांसद इंजीनियर राशिद हाल ही में तिहाड़ जेल के अंदर हुए एक हमले में बाल–बाल बच गए। पार्टी प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। एआईपी प्रवक्ता

के अनुसार, राशिद ने अपने वकील जावेद हुब्बी से जेल के अंदर उत्पीड़न के बारे में बात की। एआईपी ने कहा कि तिहाड़ जेल अधिकारियों ने कश्मीरी कैदियों को परेशान करने के नए तरीके ईजाद किए हैं, जानबूझकर उनके बैरकों में ट्रांसजेंडरों को उनके साथ रखा जाता है, जिन्हें भड़काने, हिंसा करने और शत्रुतापूर्ण माहौल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। सूत्रों ने बताया कि इंजीनियर राशिद पर दिल्ली की तिहाड़ जेल में ट्रांसजेंडर कैदियों ने कथित तौर पर हमला किया।

बारामूला के सांसद शेख अब्दुल रशीद उर्फ इंजीनियर रशीद के बेटे ने कहा कि अवामी इत्तेहाद पार्टी ने एक बयान जारी कर बताया है कि इंजीनियर रशीद आज अपने वकील से मिलने वाले थे, जिस दौरान उन्होंने बताया कि जेल के अंदर उन पर कैसे एक भयानक हमला हुआ। यह न सिर्फ मेरे और मेरे परिवार के लिए, बल्कि तिहाड़ जेल में बंद लोगों के लिए भी बेहद चौंकाने वाला है। पार्टी और मैं इस हमले की निंदा करते हैं और प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और जेल अधिकारियों से अनुरोध करते हैं कि वे जेल में बंद कश्मीरी कैदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वह न सिर्फ एक राजनीतिक कैदी हैं, बल्कि उत्तरी कश्मीर से सांसद भी हैं।

चेन्नई में बोले वायुसेना प्रमुख

ऑपरेशन सिंदूर ने तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और एकीकरण दिखाया

चेन्नई,एजेंसी। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शनिवार को चेन्नई में अधिकारी कैडेटों के पासिंग आउट समारोह में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायु सेना, नौसेना और थल सेना के बीच समन्वय की सराहना की। भारतीय सेना के अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में शॉर्ट सर्विस कमीशन के स्नातक अधिकारियों को संबोधित करते हुए एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने तीनों सेनाओं के बीच असाधारण समन्वय, सशस्त्र बलों और अन्य एजेंसियों के भीतर तालमेल और एकीकरण को प्रदर्शित किया है। जैसे–जैसे आप सेवा में आगे बढ़ते हैं, आपको एकजुटता की भावना को आगे बढ़ाते रहना चाहिए। इस साल अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले में

दहशतगर्दों ने कम से कम 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) में आतंकी ढांचों पर सटीक हमले किए थे। इसके बाद हुए पाकिस्तानी आक्रमण के हर प्रयास को हमारी सेनाओं ने विफल कर दिया था। हमारे सशस्त्र बलों ने पाकिस्तानी हवाई ठिकानों पर भी जवाबी हमले किए थे और उनकी कमर तोड़ दी थी। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने स्नातक कैडेटों के प्रशिक्षण में विश्वास व्यक्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा, श्मुझे विश्वास है कि आपके प्रशिक्षण ने आपको अधिकारी और नेतृत्वकर्ता के रूप में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और अनुशासन से सुसज्जित किया है। स्नातक अधिकारी पाठ्यक्रम के गौरवान्वित माता–पिता और रिश्तेदारों के प्रति मेरी हार्दिक कृतज्ञता। जिस प्रकार आपके अटूट समर्थन ने उन्हें अपने सपनों को साकार करने में सक्षम बनाया है, उसी प्रकार आपका त्याग और विश्वास उनकी सफलता में सहायक रहा है और रहेगा। राष्ट्र और भारतीय सशस्त्र बल आपके बलिदान के लिए सदैव आपके ऋणी रहेंगे। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि अपनी वर्दी को गर्व और उद्देश्य के साथ पहनें, आगे बढ़कर नेतृत्व करें और अपने माता–पिता द्वारा आपको सिखाए गए मूल मूल्यों को हमेशा याद रखें, क्योंकि ये आपके करियर के साथ–साथ जीवन में भी आपके मार्गदर्शक प्रकाशस्तंभ होंगे।

बाढ़-बारिश से ढह गए तीन सौ से अधिक मकान

प्रयागराज। इस साल हुई झमाझम बारिश आम नागरिकों के लिए आफत साबित हुई। जिले की अलग-अलग तहसीलों में अब तक तीन सौ से अधिक घर ढह गए। परेशान लोगों ने कंट्रोल रूम में कॉल कर अपने आशियाने गिरने की सूचना दी। जिसके बाद जिला स्तर से टीम ने निरीक्षण कराया। सर्वाधिक मकान फूलपुर, करछना और कोरांव में गिरे हैं। लेखपालों की रिपोर्ट आ गई है। आपदा कार्यालय में तैनात कर्मचारियों का कहना है कि 20 साल में यह सबसे अधिक नुकसान है। इसके पहले वर्ष 2019 और वर्ष 2013 में भी बाढ़ इससे अधिक आई थी, लेकिन उस दौरान इतना अधिक नुकसान नहीं हुआ था।

इस बार मकान अधिक ढहे हैं। एडीएम वित्त एवं राजस्व विनीता सिंह का कहना है कि कंट्रोल रूम में आई सूचना के बाद रिपोर्ट तैयार कराई गई है। इस बार आवास ढहने के मामले अधिक हैं। आपदा का मिलता है 3200 रुपये आपदा के सर्वे में अगर मकान वास्तव में ढहा पाया जाता है तो लेखपाल के सत्यापन के बाद 3200 रुपये दिया जाता है। इसके बाद अगर किसी ने प्रधानमंत्री आवास के लिए आवेदन किया होता है तो मकान निर्माण के लिए उसे एक लाख 20 हजार रुपये की राशि दी जाती है। फसलों का भी किया जा रहा सर्वे जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर बाढ़ के दौरान नष्ट हुई फसलों की भी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इसके लिए दो टीमों को गठन किया गया है। एक टीम उप निदेशक की है और दूसरी राजस्व की है। जो निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट 30 सितंबर तक देगी।

कछार की आबादी में बाढ़ की दस्तक

प्रयागराज। गंगा-यमुना का लगातार बढ़ता जलस्तर अब कछारी इलाकों के लिए मुसीबत बन रहा है। कछारी आबादी में बाढ़ का पानी प्रवेश करने लगा है। संगम क्षेत्र स्थित बड़े हनुमान मंदिर में प्रवेश करने के बाद गंगा दशाश्वमेध घाट के आसपास घरों में पहुंच गईं। छोटा बघाड़ा की बाढ़ ने घेरेबंदी कर दी है। द्रौपदी घाट, बेली कछार अशोक नगर जैसे इलाकों में बाढ़ का

पानी प्रवेश कर चुका है। इसी तरह गंगा का जलस्तर बढ़ता रहा तो शाम तक राहत शिविरों में बाढ़ पीड़ितों को शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। शनिवार को सिंचाई विभाग के कंट्रोल रूम से जारी रिपोर्ट के अनुसार 24 घंटे (शुक्रवार सुबह आठ बजे से शनिवार सुबह आठ बजे तक) फाफामऊ और छतनाग में गंगा का जलस्तर क्रमशरू 56 सेमी और 81 सेमी बढ़ा। नैनी में यमुना के जलस्तर में 86 सेमी वृद्धि हुई। सुबह आठ बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 82.08 मीटर, छतनाग 81.51 मीटर और नैनी में यमुना का जलस्तर 82.03 मीटर रहा।

दो गुटों में मारपीट व फायरिंग, दो गंभीर रूप से घायल

प्रयागराज। शिवकुटी क्षेत्र के गोविंदपुर में शुक्रवार की देर रात पुरानी रंजिश को लेकर दो गुटों में जमकर मारपीट हो गई। इसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। लाठी डंडे से मारपीट के बीच गोली चलाने का भी आरोप है। हालांकि पुलिस ने फायरिंग से इनकार किया है। दोनों घायल को अस्पताल में भर्ती कराकर पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। शिवकुटी के चिल्ला निवासी शुभम और टीवी कॉलोनी निवासी आदर्श के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा है। शुभम शुक्रवार की रात अपनी बहन के घर गोविंदपुर गया था। रास्ते में आदर्श से विवाद हो गया। इसी बीच दोनों पक्ष से एक दर्जन से अधिक लोग एक दूसरे पर टूट पड़े। एक पक्ष पर फायरिंग का आरोप है। मारपीट में आदर्श और शिवम गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना प्रभारी रुकमपाल सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों घायलों को अस्पताल भिजवाया। थाना प्रभारी ने बताया कि मारपीट में दोनों पक्षों से दो युवक घायल हुए हैं । घटना में अभी गोली चलने की बात स्पष्ट नहीं हो सकी है।

एनआईआरएफ रैंकिंग में मुक्त विश्वविद्यालय को देश में तीसरा स्थान

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। एनआईआरएफ 2025 की सूची में विश्वविद्यालय को देशभर के मुक्त विश्वविद्यालयों में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के साथ विश्वविद्यालय ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) और कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी के साथ शीर्ष तीन में अपनी जगह बनाई है। यह न केवल प्रयागराज बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। ओपन यूनिवर्सिटी में 15 विवि ने हिस्सा लिया था। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि एनआईआरएफ रैंकिंग में तीसरा स्थान प्राप्त करना विश्वविद्यालय के गौरवमय इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज होने वाली उपलब्धि है। यह शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक परिश्रम का परिणाम है। इस रैंकिंग से विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिक से अधिक छात्र यहां प्रवेश लेंगे।

विदेशी छात्रों का बढ़ा रुझान

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की प्रो. कपूर ने बताया कि कार्य परिषद में बताया गया कि इस बार प्रवेश केवल देश ही नहीं, बल्कि विदेश से भी बढ़े हैं। 18 देशों से पूछताछ आई, जबकि केन्या, कोरिया, नेपाल और अफगानिस्तान सहित छह देशों और देश के विभिन्न राज्यों से छात्र-छात्राओं ने दाखिला लिया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिषद को जानकारी दी गई कि एथलेटिक्स, टेनिस और फुटबॉल के लिए तीन नए स्पोर्ट्स कोच नियुक्त किए गए हैं।

गंदगी और कूड़े की भरमार, अतिक्रमण से जूझ रहा जारी बाजार

प्रयागराज। जारी बाजार रीवा रोड पर करीब तीन किलोमीटर तक फैला जारी बाजार यमुनापार का प्रमुख व्यापारिक केंद्र है। जारी, गड़ैया कला और गड़ैया खुर्द ग्राम पंचायतों को मिलाकर बना यह पारंपरिक बाजार कपड़े, जूते-चप्पल, मिठाइयां और मसालों की खरीदारी के लिए दूर-दराज तक प्रसिद्ध है। रोजाना हजारों लोग यहां पहुंचते हैं, लेकिन व्यवस्था की कमी ने इस बाजार की चमक फीकी कर दी है। कूड़े के ढेर, जाम नालियां और बदबू ने व्यापारियों और खरीदारों दोनों को परेशान कर रखा है। हालात इतने बिगड़े कि परेशान व्यापारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर नियमित सफाई की मांग भी उठाई। व्यापारियों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई तो व्यापार बुरी तरह प्रभावित होगा।

दूसरी ओर, क्षेत्रीय लोग लगातार जारी बाजार को नगर पंचायत का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं, ताकि सफाई, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं का स्थायी समाधान मिल सके। जिला मुख्यालय से बीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित बाजार में रहने वाले व्यापारी गंदगी और जलभराव से जूझ रहे हैं। बाजार में जगह-जगह डंप कूड़ा साफ-सफाई की व्यवस्था की पोल खोलती दिखती है। जलनिकासी के लिए कभी नालियां बनाने की योजना ही नहीं बनी, नतीजा बारिश होते ही सड़कें लबालब पानी से भर जाती हैं। घरों से निकलने वाला पानी सड़क पर ही बहता है। बाजार के दोनों ओर छोर पर घरों से निकलने वाला कूड़ा डंप किया जाता है, बरसात होने पर यह कूड़ा सड़कर बदबू करने लगता है। यहां पेयजल की समस्या भी वर्षों से है। जारी बाजार के व्यापारियों से समस्याएं जानने का प्रयास किया तो उनका दर्द छलक पड़ा। यमुनापार के प्रयागराज- रीवा राजमार्ग पर स्थित जारी बाजार जनपद मुख्यालय से बीस किमी की दूरी पर स्थित है। वर्तमान में इस बाजार में लगभग छह सौ के ऊपर छोटी बड़ी दुकानें हैं। बाजार की आबादी करीब दस हजार के ऊपर है। पुरानी बाजार होने के कारण यहां आसपास के हजारों ग्राहक खरीदारी करने जाते हैं। इससे बाजार देर रात तक गुलजार रहता है। यदि बाजार के व्यापारियों से यहां की सुविधाओं की बात करें तो वह बताते हैं

कि कभी किसी जनप्रतिनिधि अथवा अफसर ने बाजार के विकास और व्यापारियों की सुविधा के बारे में सोचा ही नहीं। नतीजा बाजार में जो सुविधाएं दो दशक पूर्व थीं, वही आज भी हैं। व्यापारियों की सबसे बड़ी समस्या गंदगी और आवारा मवेशी है। बारिश में गालियां जलमग्न हो जाती हैं। यही नहीं पानी निकालने के बाद इतना कीचड़ हो जाता है कि उस पर चलना खतरे को दावत देने जैसा है। साफ-सफाई के लिए नियुक्त किया गया सफाई कर्मी झाड़ू लगाने कब आता है और सफाई कहां करता है, इसकी जानकारी किसी को नहीं हो पाती। बाजार के दुकानदार खुद झाड़ू लगाते हैं और कूड़ा बाजार के दूसरे छोर पर डंप कर देते हैं। जारी बाजार से महज कुछ मीटर दूरी पर स्थित तालाब पर ग्रामीणों द्वारा अतिक्रमण कर वहां कूड़े करकट का अंबार लगा दिया गया है। प्रयागराज-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर जारी बाज़ार से प्रतिदिन मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की ओर हजारों की संख्या में बड़े वाहन गुजरते हैं। इस तीन किलोमीटर के क्षेत्र में चार बड़े इंटर कॉलेज, एक डिग्री कॉलेज और आधा दर्जन से अधिक प्राथमिक व जूनियर विद्यालय स्थित हैं। प्रतिदिन हजारों छात्र-छात्राएं इस मार्ग से होकर गुजरते हैं। भारी वाहनों के साथ-साथ बाजार क्षेत्र में खुलेआम फैली गंदगी और कूड़े के ढेर यहां की सबसे बड़ी समस्या बन गए हैं। सड़क किनारे जगह-जगह जमा कूड़े से दुर्गंध फैल रही है, जिससे स्कूली बच्चों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। गंदगी के कारण मच्छरों और मक्खियों का प्रकोप भी बढ़ गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया और हैजा जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वच्छ भारत मिशन की सारी कवायद सिर्फ कागज़ों तक सीमित है। सफाई व्यवस्था पूरी तरह लचर हो चुकी है। स्कूल-कॉलेज जाने वाले बच्चे रोजाना इस बदबूदार और अस्वच्छ माहौल में सांस लेने को मजबूर हैं। अभिभावकों ने प्रशासन से तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और नियमित कूड़ा निस्तारण की मांग की है। घ्जारी से कौंधियारा जाने वाली सड़क पर चलना दूभर जारी बाजार से कौंधियारा की ओर जाने वाली सड़क वर्तमान में अतिक्रमण का शिकार है। बारिश होने के कारण इस रोड पर कीचड़ भी जमा हो जाता है, जिससे उस पर चलना मुश्किल हो जाता है। शाम के समय आलम यह हो जाता है की पांच सौ मीटर तक की सड़क पर अतिक्रमण होने के चलते वहां का गुजरना मुश्किल हो जाता है और जिसकी वजह से कई घंटे जाम लगे रहते है। शाम को मुख्य मार्ग की सड़क बाजार में तब्दील हो जाती है, जिससे एम्बुलेंस भी कई घण्टों जाम में फसी रह जाती है। घ्नगर पंचायत का दर्जा अब तक सपना यमुनापार का दूसरा प्रमुख व्यावसायिक केंद्र जारी बाजार उपेक्षा का शिकार है। दस हजार से अधिक आबादी और तेजी से बढ़ते शहरी ढांचे के बावजूद इसे नगर पंचायत का दर्जा नहीं मिल सका है। शासन ने सर्वेक्षण तो कराया, लेकिन निर्णय आज तक अधर में है। नतीजा यह कि सफाई, पेयजल, सड़क और बिजली जैसी मूलभूत सेवाएं चरमराई पड़ी हैं। जारी बाजार के साथ गड़ैया कला व गड़ैया खुर्द ग्रामसभाएं मिलकर इस क्षेत्र को बड़े व्यापारिक केंद्र के रूप में पहचान देती हैं। इसके बावजूद हाईवे किनारे कूड़े के ढेर, जाम नालियां और फैली दुर्गंध प्रशासन की अनदेखी को उजागर करती हैं। स्थानीय नागरिकों राजा राम कौशल, जितेंद्र केसरवानी, सतीश गुप्ता, संजय मोदनवाल, दीपक जायसवाल समेत कई लोगों ने साफ कहा है कि यदि जारी को नगर पंचायत घोषित नहीं किया गया तो आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। घ्दूषित पानी से परेशान जारी बाजार के लोग आए दिन जारी बाजार में दूषित पेयजल आपूर्ति की समस्या लगातार बनी हुई है। जल निगम की पाइपलाइन बार-बार फूटने से गंदा पानी सप्लाई होने की शिकायत आती है, जिससे डायरिया, टाइफाइड और पेट संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारियों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। महीनेभर गंदा पानी पीने को मजबूर रहते हैं। पाइपलाइन में लीकेज से अदृश्य बैक्टीरिया तक पानी में पहुंच जाते हैं, जिसके चलते लोग गंभीर स्वास्थ्य जोखिम झेलते हैं। घ्हाईवे पुलिया पर दुकानदारों का कब्जा प्रयागराज रीवा राजमार्ग के जारी बाजार स्थित नहर पुलिया पर वर्षों से दुकानदारों ने अवैध कब्ज़ा कर रखा है। फल विक्रेताओं द्वारा कचरा और सड़े फल नहर में फेंकने से गंदगी व दुर्गंध फैल रही है, जिससे राहगीरों का गुजरना मुश्किल हो गया है। अवैध दुकानों के कारण आए दिन जाम और विवाद की स्थिति बनती है। स्थानीय लोग आरोप लगाते हैं कि सिंचाई विभाग और प्रशासन की मिलीभगत से अतिक्रमण जारी है। अधिकारियों के आदेशों के बावजूद कार्रवाई न होने से हर वक्त दुर्घटना का खतरा बना रहता है। घ्जारी बस स्टेशन बना कूड़ा घर, स्वच्छ भारत मिशन को ठेंगा प्रयागराज के जारी बाजार स्थित बस स्टेशन उपेक्षा का शिकार होकर कूड़े-कचरे का ढेर बन गया है। लाखों रुपये की लागत से बना यह बस अड्डा आज आवारा पशुओं और निजी वाहनों का अड्डा बनकर रह गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां वर्षों से रोडवेज बसें नहीं रुकतीं, जिससे यात्रियों को सड़क पर बसों के पीछे दौड़ना पड़ता है। स्वच्छ भारत मिशन के बावजूद कचरे का अंबार और प्रशासन की अनदेखी जारी है। 26 लाख की लागत से बना बस स्टैंड लावारिस हालत में पड़ा हुआ है।

अफसरों के आश्वासन से परेशान, कार्रवाई का इंतजारः जारी बाजार में साफ-सफाई, मार्ग अतिक्रमण, हाइवे पर घूमते आवारा मवेशी, सुलभ शौचालय और बस स्टैंड पर गाड़ियों के ठहराव जैसी बुनियादी समस्याएं लंबे समय से जस की तस बनी हुई हैं। स्थानीय प्रधान और व्यापार मंडल के प्रतिनिधि इन मुद्दों को लेकर कई बार अफसरों के चक्कर काट चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला। ठोस कार्रवाई न होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो व्यापार और जनजीवन दोनों प्रभावित होंगे। क्षेत्रवासियों ने जिम्मेदार विभागों से तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की है।

लोकतंत्र सेनानी बनकर 49 साल तक ली पेंशन, एक युवक ने हड़प लिए 18 लाख रुपये

मानव तस्करी की सूचना पर बिहार की ट्रेन से उतारे 30 बच्चे, 18 बच्चों के माता-पिता नहीं मिले साथ

प्रयागराज। बिहार के जोगबनी से आनंद विहार टर्मिनल जा रही सीमांचल एक्सप्रेस (12487) से मानव तस्करी की सूचना पर आरपीएफ और जीआरपी ने शुक्रवार को 30 बच्चों को उतारा। जांच हुई तो इनमें से 18 बच्चों के परिजन ट्रेन में नहीं मिले, चाइल्ड लाइन की ओर से इन नाबालिगों को सीडब्ल्यूसी की कोर्ट में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें बालगृह भेज दिया गया। वहीं, शेष 12 बच्चों के परिजन साथ में थे। पूछताछ और कागजातों की जांच के बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया।

मिर्जापुर स्थित आस्था महिला एवं बाल विकास संस्थान के प्रोग्राम मैनेजर दिव्य प्रकाश शुक्ला ने बताया कि उनकी टीम को बिहार से बच्चों को लुधियाना ले जाने (मानव तस्करी) की सूचना मिली थी। सीमांचल एक्सप्रेस के प्रयागराज पहुंचते ही प्लेटफार्म नंबर तीन

पर चाइल्ड लाइन, जीआरपी और आरपीएफ ने जनरल बोगी से 30 बच्चों को उतारा। सभी की काउंसिलिंग की गई। ज्यादातर बच्चे यही कह रहे थे कि मदरसा में पढ़ने जा रहे हैं। कुछ के परिजन वहीं काम करते हैं। हालांकि 18 ऐसे बच्चे मिले जिनके परिजन ट्रेन में नहीं थे। इससे पूर्व काउंसिलिंग में नेपाल के भी तीन बच्चे मिले। पूछताछ में बताया कि वे रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। वहीं, एक बच्ची मिली जिसके मां-बाप नहीं थे। एसपी जीआरपी प्रशांत वर्मा ने बताया कि सीडब्ल्यूसी कोर्ट के आदेश पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सिर्फ तीन को उनके परिजनों को सौंपा

सीमांचल एक्सप्रेस में बीते मंगलवार को भी 15 बच्चों को ट्रेन से उतारा गया था। इनमें 10 नाबालिगों को सीडब्ल्यूसी के निर्देश पर बालगृह में रखा गया है। बिहार के विभिन्न जिलों से उनके परिजन भी आ गए हैं लेकिन शुक्रवार शाम तक सिर्फ तीन बच्चों के परिजन ही उनके जन्म प्रमाण प्रस्तुत कर सके। तीनों बच्चों को उनके परिजनों को सौंपा दिया। बाकी बच्चों के परिजनों प्रमाण पत्र नहीं दे सके हैं। इस प्रकरण में जीआरपी ने मुकदमा दर्ज करके एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) को विवेचना ट्रांसफर कर दिया है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय लगातार सातवीं बार टॉप-200 से बाहर

प्रयागराज। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2025 की ताजा सूची ने प्रयागराज को एक बार फिर निराश किया है। शिक्षा मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी रैंकिंग में इलाहाबाद विश्वविद्यालय लगातार सातवीं बार टॉप-200 की सूची से बाहर हो गया। वहीं मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) को देश के शीर्ष 200 संस्थानों की सूची में

स्थान तो मिला, लेकिन उसे सीधी रैंक नहीं दी गई, बल्कि 151-200 के रैंक बैंड में रखा गया है। तकनीकी श्रेणी में एमएनएनआईटी को देशभर में 62वां स्थान हासिल हुआ है, जबकि इस बार ट्रिपलआईटी का नाम टॉप-100 तकनीकी संस्थानों में भी नहीं है। पूरब का ऑक्सफोर्ड कहलाने वाला इलाहाबाद विश्वविद्यालय अपनी साख सुधारने के प्रयासों और हाल की शिक्षक भर्ती के बावजूद एक बार फिर एनआईआरएफ की टॉप-200 सूची से बाहर रह गया। लगातार सात वर्षों से विश्वविद्यालय को इसमें जगह नहीं मिल पा रही है। इविवि को वर्ष 2016 में 68वां, 2017 में 95वां और 2018 में 144वां स्थान हासिल हुआ था। लेकिन 2019 से लेकर अब तक यानी छह साल से यह संस्थान टॉप-200 की सूची से बाहर है। फिर भी विश्वविद्यालय के लिए कुछ राहत की स्थिति है। प्रबंधन श्रेणी में इसे इस बार भी 101-125 रैंक बैंड में स्थान मिला है, जो पिछले साल की तरह बरकरार है। वहीं इंजीनियरिंग कैटेगरी में बड़ा सुधार दर्ज हुआ है। इस साल इविवि 101-150 रैंक बैंड में आ गया है, जबकि पिछले वर्ष इसे 200-250 बैंड में रखा गया था। यानी इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने रैंक बैंड में 100 पायदान की छलांग लगाई है। कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने कहा कि एनआईआरएफ 2025 रैंकिंग में इविवि को प्रबंधन श्रेणी में 101-125 बैंड तथा इंजीनियरिंग श्रेणी में 101-150 बैंड में स्थान प्राप्त हुआ है। अभियांत्रिकी में यह पिछले वर्ष की तुलना में 100 पायदान ऊपर आया है। यह सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

बिना हेलमेट के कार का कटा चालान

प्रयागराज। इसे यातायात पुलिस की लापरवाही कहें या फिर मनमानी। बिना हेलमेट के कार का एक हजार रुपये चालान काट दिया गया। जब लोक सेवा आयोग में वरिष्ठ शोध अधिकारी शीश कुमार के पास चालान कटने का मैसेज आया तो वह सन्न रह गए। उन्होंने चालान की कॉपी देखी तो उसमें फोटो स्कूटी सवार की दिख रही है। उन्होंने ट्रोल फ्री नंबर 1076 पर कई बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। लोक सेवा आयोग के उप निदेशक/वरिष्ठ शोध अधिकारी शीश कुमार ने बताया कि बिना हेलमेट स्कूटी चलाने के आरोप में चार सितंबर की शाम सात बजे एक हजार रुपये का चालान काटने की सूचना मिली। उन्होंने ऑनलाइन चालान की जांच की, तो फोटो में स्कूटी सवार दिख रहा है। उन्होंने बताया कि चालान काटने का स्थान अलीगढ़ जिले के सासनी गेट, आगरा रोड दर्शाया गया है। फोटो में स्कूटी का नंबर यूपी 81 सीजेड 1285 है, लेकिन चालान उनकी कार के नंबर यूपी 81 सीजेड 1385 का काटा गया है। उन्होंने बताया कि उनकी कार अलीगढ़ के स्वर्ण जयंती नगर स्थित अपार्टमेंट की पार्किंग में खड़ी है। उनका कहना है कि ट्रोल फ्री नंबर पर छह-सात बार फोन करने के बाद भी सहयोग नहीं मिला है।

पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में बड़ा बदलाव

प्रयागराज। शैक्षणिक सत्र 2025-26 से इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश संयुक्त शोध प्रवेश परीक्षा की जगह अब यूजीसी नेट (यूजीसी-नेट) स्कोर के आधार पर होगा। इससे प्रक्रिया और पारदर्शी होगी तथा देशभर के छात्रों के लिए अवसर आसान बनेंगे। कार्य परिषद ने बीए, बीएससी और बीकॉम कार्यक्रमों के लिए चार वर्षीय स्नातक डिग्री को मंजूरी दी। इसे हाल ही में विद्वत परिषद ने भी पास किया था। पीआरओ प्रो. जया कपूर ने बताया कि एनईपी के अंतर्गत स्नातक छात्रों के लिए 60 दिन के दो क्रेडिट वाले 192 स्किल-आधारित कोर्स शुरू किए गए हैं, जिनको लेकर छात्रों में खासा उत्साह है। प्रसिद्ध लोकगायिका और पद्मश्री सम्मानित मालिनी अवस्थी को इलाहाबाद विश्वविद्यालय 23 सितंबर 2025 को स्थापना दिवस पर डॉक्टर ऑफ लेटर्स ऑनोरिस कॉसा की मानद उपाधि प्रदान करेगा।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के तीन विभागों में आठ नए शिक्षक, 31 को पदोन्नति

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) की कार्य परिषद की बैठक गुरुवार को अतिथि गृह के मीटिंग हॉल में कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई। इसमें कई अहम निर्णय लिए गए। वाणिज्य और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में पांच, परिवार और सामुदायिक विज्ञान विभाग (पूर्व में गृह विज्ञान) में दो तथा अर्ली चाइल्डहुड केयर सेंटर में एक नए शिक्षक का चयन का लिफाफा खोला गया। वहीं, 31 शिक्षकों को करियर एडवांसमेंट स्कीम (कैस) के तहत प्रोन्नत किया गया। इस अवसर पर प्रो. कपूर ने बताया कि कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव के कार्यकाल में अब तक 458 चयन समितियां आयोजित हुईं, जिनमें से 372 नियुक्तियां की गईं। इसके अलावा 200 शिक्षकों को कैस के अंतर्गत पदोन्नति दी गई। इनका हुआ चयन कॉमर्सरू प्रोफेसर पद पर हिमांशु श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर पर रूपम कुमारी, हैप्पीसन मिंगसिंगफी गाच्यू ओ, भवना श्रीवास्तव, आकांक्षा सिंह। फैमिली एंड कम्युनिटी साइंस विभागः प्रोफेसर पद पर अंजलि माथुर, असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर नीमा पपनई।

सीएमपी महाविद्यालय की डा. आकांक्षा पाल को शिक्षक दिवस पर किया गया सम्मानित

प्रयागराज। सी. एम. पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज की संगीत प्रवक्ता डॉ आकांक्षा पाल को दिनांक 05/09/2025 को शिक्षक दिवस के सुअवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह 2025 में शिक्षण कार्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए माननीय श्री केशव प्रसाद मौर्य जी उपमुख्यमंत्री उ.प्र.के कर कमलों से सम्मानित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आपको यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में आपके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया गया । आपने राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय

स्तर की विभिन्न संगोष्ठियों में प्रतिभाग किया और आपके 38 से अधिक शोध प्रपत्र भी प्रकाशित हो चुके हैं साथ ही आपकी कई पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकीं हैं। आप प्रसार भारती की नियमित कलाकार एवं राष्ट्रीय उद्घोषिका भी हैं। इस सम्मान समारोह में महापौर श्री गणेश केसरवानी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वी के सिंह इत्यादि मौजूद रहे । यह समारोह जिला पंचायत सभागार में आयोजित किया गया जिसमें 513 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इनरव्हील क्लब मुज़फ्फरनगर सनराइज द्वारा शिक्षक दिवस के कार्यक्रम का आयोजन किया गया

मुजफ्फरनगर। इनरव्हील क्लब मुज़फ्फरनगर सनराइज

द्वारा शिक्षकों को सम्मानित दिनांक 5 सितंबर 2025 में सनराइज क्लब ने 35 शिक्षकों को सम्मानित किया विभिन्न स्कूलों से आए हुए सम्मानित शिक्षकों ने मंच साझा करते हुए अपनी अभिव्यक्ति प्रस्तुत की और बताया कि किस तरह से वो बच्चों में संस्कार भरते हैं और डॉ० इंजीनियर टीचर IAS, PCS बनने की नींव रखते हैं और समाज को सुसंस्कृत बनाने का काम करते हैं इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री राम कॉलेज की प्रिंसिपल प्रेरणा मित्तल जी और क्लब अध्यक्षा श्रीमति दीपा सोनी जी द्वारा शिक्षकों को सम्मानित किया गया यह कार्यक्रम तनिष्क डायमंड शोरूम नई मंडी में किया गया और वहाँ का समस्त स्टाफ नेहा गोयल अरमान मालिक आदि सभी का विशेष सहयोग रहा है सम्मानित शिक्षकों में नामित वर्मा,शिवानी अरोरा,गायत्री गुप्ता, बबली, अहलावत, चित्रा शर्मा, सुषमा, दीक्षित, सत्यवती वर्मा, प्रीति चौधरी, रचना रावत, प्रतिभा वर्मा,दीपिका शर्मा,अंजलि गर्ग,पूनम जैन,किरण तिवारी, राखी शर्मा, ममता सिंह, पूनम, स्तुति बंसल, उर्मिला पुंडीर, रितु शर्मा, ज्योति, उज्जवल आदि रही।

कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा को मा. उप-मुख्यमंत्री केशव मौर्य ने किया सम्मानित

'शिक्षा जगत में अनुपम योगदान के लिए रवीन्द्र कुशवाहा हुए सम्मानित'

प्रयागराज। प्रयागराज के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार व शिक्षाविद् रवीन्द्र कुशवाहा को शिक्षा जगत में उनके डीएवी कॉलेज के 33 वर्षों के अनुपम एवं उल्लेखनीय कार्यों तथा कला जगत की सेवा के लिए उत्तर प्रदेश के ओजस्वी उपमुख्यमंत्री माननीय केशव प्रसाद मौर्य ने शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर इकाई द्वारा आयोजित शिक्षक दिवस सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी में मंच पर रवीन्द्र कुशवाहा को अंग–वस्त्र, प्रशस्ति–पत्र व शानदार ट्रॉफी से भव्य सम्मान किया। बताते चलें कि शिक्षक कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने सरकार के कहने पर माध्यमिक शिक्षा परिषद् की 40 पुस्तकें एनसीईआरटी पैटर्न पर चित्रित कर शिक्षा जगत को अनमोल तोहफा दिया है उत्तर प्रदेश के सर्व शिक्षा अभियान के तहत सभी प्राइमरी तथा माध्यमिक विद्यालयों के पाठ्यक्रम में वह पुस्तकें आज भी पढ़ाई जा रही हैं। माननीय उपमुख्यमंत्री जी ने संगोष्ठी में सभी गुरुओं का सम्मान करते हुए कहा कि गुरु का पद ईश्वर से भी बढ़कर है वही राष्ट्र निर्माण करता है तथा छात्र को डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, नेता, ही नहीं बल्कि सभी कुछ वही बनाता है और जीवन निर्माणकर जीवन जीना सिखाता है, प्रत्येक वंदनीय गुरुओं को कोटि–कोटि प्रणाम है।

पूर्व गन्ना विकास मंत्री मा० नरेंद्र कुमार गौड़ ने भी गुरुओं की भूरि भूरि प्रशंसा की और कहां कि गुरु ही राष्ट्र निर्माता है और वह पूज्यनीय है भाजपा महानगर इकाई के सभी पदाधिकारीगण इस शिक्षक सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी में शामिल होकर इस कार्यक्रम का सम्मान बढ़ाया।

प्रकाशकों ने की सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय 'कॉमन कॉज बनाम यूनियन ऑफ इंडिया' का अनुपालन कराने की मांग

आल इंडिया स्माल एण्ड मीडियम न्यूज पेपर फेडरेशन उत्तर प्रदेश ईकाई की बैठक लखनऊ में सम्पन्न

(अरविन्द पाण्डेय, पत्रकार)

लखनऊ। ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन, नई दिल्ली की उत्तर प्रदेश राज्य शाखा की बैठक दोपहर 1 बजे बुधवार को प्रदेश कार्यालय पर आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष शोएब अहमद ने की।

बैठक में अखबार व प्रकाशकों से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता पूर्वक चर्चा की गई साथ ही भारत सरकार, सीबीसी और पीआरजी तथा भारतीय प्रेस परिषद संबंधी मामलों पर चिंता जाहिर की गई। बैठक में विगत एक वर्ष पूर्व पीसीआई का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी 15वीं परिषद का गठन नहीं होने पर भी नाराजगी जताई गई।

बैठक में माननीय सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली के निर्णय दिनांक 13 मई 2015 को कॉमन कॉज बनाम यूनियन ऑफ इंडिया का अनुपालन कराने की भी मांग की गई।

बैठक में अखबारी कागज से जीएसटी हटाने को लेकर भी रणनीति बनाई गई। आल इंडिया स्माल एण्ड मीडियम न्यूज पेपर फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव अशोक कुमार नवरत्न ने कहा कि भारतीय प्रेस परिषद के 12वें परिषद ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स से न्यूजप्रिंट पर जीएसटी हटाने की मांग की गई थी। लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी जीएसटी काउंसिल ने इस पर कोई सार्थक कार्रवाई नहीं की है।

पीसीआई के प्रस्ताव जो जीएसटी के बारे में था, को लागू करने के लिए भारत

सरकार को मजबूर किया जाना चाहिए। बैठक में सीबीसी, भारत सरकार और यूपीआईडी, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापन जारी करने में स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार पर भी चर्चा हुई।

उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने के लिए मण्डल एवं जिला स्तर पर पदाधिकारियों की नियुक्ति पर भी आम सहमति बनी। जिसके तदोपरांत इसके कृयान्वयन के लिए प्रदेश अध्यक्ष शोएब अहमद ने सदस्यों की आम सहमति से विभिन्न जोन के जोनल प्रभारियों के नाम की औपचारिक घोषणा की।

जिसमें अशोक कुमार नवरत्न को लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, आगरा, नीरज गुप्ता को मुरादाबाद, बरेली, मुकेश गोयल को मेरठ, सहारनपुर, अनिल त्रिपाठी को वाराणसी, प्रयागराज, परवेज आलम को बांदा, झांसी, मिर्जापुर एवं आजमगढ़, गोरखपुर, देवीपाटन, अयोध्या, बस्ती को प्रदेश अध्यक्ष शोएब अहमद ने अपने पास रखा।

बैठक में इसके अलावा अन्य मुद्दों पर भी गंभीरता पूर्वक चर्चा हुई, जिसमें राज्य शाखा में सामूहिक बीमा, संपादकों के लिए सरकार से अलग पहचान पत्र बनवाने, पत्रकारों और संपादकों के लिए आवास की मांग, पत्रकारों पर अभियोग दर्ज होने से पहले उच्च अधिकारी से जांच करानी चाहिए, इसके बाद ही जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में लाने के बाद अभियोग दर्ज किया जाने व उत्तर प्रदेश सरकार भारतीय प्रेस परिषद की विज्ञापन उप समिति की रिपोर्ट पर तत्काल कार्रवाई के मुद्दे प्रमुख रहे।

बैठक में मुख्य रूप से राष्ट्रीय महासचिव अशोक कुमार नवरत्न, प्रदेश अध्यक्ष शोएब अहमद, अनिल त्रिपाठी, परवेज आलम, अमजद हुसैन, केपी मिश्रा, तीरथ सिंह, अश्विनी कुमार गुप्ता, पंकज शर्मा, मनीष श्रीवास्तव, दीपक तिवारी, अर्जुन द्विवेदी, बालाजी प्रजापति, विजयराज साहू, हर्षित त्रिपाठी, पंकज सिंघल उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त भारत: हर गांव, हर शहर की जिम्मेदारी

मेरठ, ब्लॉक दौराला। सामाजिक संस्था अर्थ रिवाइटल फाउंडेशन द्वारा गांव अंदावली में एक भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य कैंप में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी और सैकड़ों मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

इस कैंप में डॉ. आकांक्षा, डॉ. निशा, डॉ. विकास तथा आशा कार्यकर्ता पुनीता एवं सीता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्था की ओर से प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर श्री धर्मेंद्र विशेष रूप से मौजूद रहे और पूरे कार्यक्रम का संचालन किया।

120 मरीजों की जांच, 38 संभावित मरीज चिन्हित

शिविर में कुल 120 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिन्हें आवश्यक दवाइयाँ निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। इनमें से 38 मरीज संभावित टीबी रोगी पाए गए। इन मरीजों के बलगम के सैंपल लेकर सीएचसी दौराला भेजे गए हैं, ताकि आगे की जांच और उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

टीबी मुक्त भारत : सबकी सहभागिता जरूरी

अर्थ रिवाइटल फाउंडेशन की डायरेक्टर श्रीमती अर्चना भांगा ने कहा :

प्रधानमंत्री के संकल्प 'टीबी मुक्त भारत अभियान' को तभी सफल बनाया जा सकता है जब समाज का हर वर्ग इसमें सक्रिय रूप से जुड़कर योगदान दे। हमें अपने घर, मोहल्ले, गांव, ब्लॉक और शहर से मिलकर टीबी को जड़ से समाप्त करना होगा।

लगातार चार वर्षों से सेवा में समर्पित

संस्था पिछले चार वर्षों से निरंतर गांव–गांव व शहरों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर रही है। इन शिविरों में लोगों को टीबी के प्रति जागरूक किया जाता है, उनकी निरूशुल्क जांच, उपचार और दवा वितरण किया जाता है। संस्था का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना और "टीबी मुक्त भारत" के अभियान को धरातल पर उतारना है।

वरिष्ठ साहित्यकार सुधीर नारायण को साहित्य रत्न सम्मान से किया गया अलंकृत

'साहित्यकार सत्कार : आपके द्वार' योजना प्रयागराज में प्रतिमाह बना रही नया कीर्तिमान

प्रयागराज। साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज के द्वारा प्रत्येक माह 'साहित्यकार सत्कार : आपके द्वार' सम्मान योजना के अंतर्गत प्रति माह एक नया कीर्तिमान स्थापित किया जा रहा है द्यशिक्षक दिवस के अवसर पर प्रकाशन के वरिष्ठ–उपसंपादक एवं भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव डा. योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु की अध्यक्षता में माननीय न्यायमूर्ति एवं वरिष्ठ साहित्यकार सुधीर नारायण को उनके चिन्तामणि मार्ग स्थित आवास पर मोती–माला,अंगवस्त्र, साहित्यरत्न सम्मान–पत्र एवं स्मृति–चिन्ह के साथ–साथ मिथिला–पाग प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस भव्य सम्मान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रकाशन के संरक्षक एडवोकेट (डा.) बालकृष्ण पाण्डेय ने कहा कि माननीय सुधीर नारायण जी जहाँ एक ओर न्यायक्षेत्र में अमिट योगदान के लिए अविस्मरणीय रहेंगे वहीं ष्सुर सरिताष आदि काव्य–संग्रह जैसे उपादेयी ग्रंथों के माध्यम से साहित्यिक क्षेत्र में उनके महती योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।अनेक साहित्यक ग्रंथों के अलावा ष्ठ पर तीन खंडों में यथाशीघ्र प्रकाशित होकर आने वाला उनका ग्रंथ साहित्य के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।इतना ही नहीं उनके द्वारा सृजित अनेक पेंटिंग्स उनकी बहुमुखी प्रतिभा के साथ उन्हें एक चिन्तक–विचारक और दार्शनिक कलेवर से युक्त विराट व्यक्तित्व का निर्माण करती है। उनका सौम्य और सरल–सहज व्यवहार उनके अति मानवीय दृष्टिकोण का साक्षात प्रमाण है।प्रकाशन के व्यवस्थापक एवं महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर पत्रिका के उपसंपादक डा. रामलखन चौरसिया श्वागीशश,सह–संपादक डॉ रवीन्द्र कुशवाहा एवं शम्भूनाथ श्रीवास्तव,प्रेमलता मिश्रा तथा रेखा तिवारी भी उपस्थित रहीं।

सूखे हुए गुलाब

(कुण्डलिया)

यादों की खुश्बू लिए, सूखे हुए गुलाब।
हौले–हौले ला रहे, मीठे–मीठे ख़्वाब।
मीठे–मीठे ख़्वाब, छिपे जो पंखुरियो में।
उभरे हैं वह आज,किताबों के पन्नों में।
सुन लो कहें प्रदीप, खुशनुमा तस्वीरों की।
है प्यारी तस्वीर, पड़ी धूमिल यादों की।।

जिसके सूखे फूल भी, करते हैं संवाद।
दुनिया उसे गुलाब कह, रखती हरदम याद।
रखती हरदम याद, सुनाती उसका विवरण।
जिसने इसको छुआ, नहीं करता है वह रण।
सुन लो कहें प्रदीप, मुहब्बत कहती हँसके।
है बस लाल गुलाब, बोल प्यारे हैं जिसके।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

स्व. कंचन देवी की आठवीं पुण्यतिथि पर दी गई काव्यमय श्रद्धांजलि

कवियों व समाज सेवियों सहित गण्यमान लोगों को किया गया सम्मानित

प्रयागराज। करछना के खांई ग्राम सभा में भारतीय किसान सेना लोकतांत्रिक पार्टी ने 6 सितंबर को स्व. कंचन देवी की पुण्यतिथि पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मेजा के पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रेम शंकर मुन्नन शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश चंद्र उपाध्याय ने की। विशिष्ट अतिथियों में दीनानाथ यादव और महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमारी ज्योति शामिल रहीं। कवि–साहित्यकार भगवान प्रसाद उपाध्याय की उपस्थिति में वरिष्ठ साहित्यकार शंभूनाथ श्रीवास्तव, सबरेज

अहमद और वेदानंद वेद सांवरिया ने रचना पाठ किया।

कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता सिपाही लाल शुक्ला ने किया। कार्यक्रम संयोजक अधिवक्ता रत्नेश मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया। विश्व सनातन परिषद से जयंत योगी, बंगाल से पत्रकार प्रदीप और सतोंनन्द, दशरथ नंदन सहित कई प्रांतों से अतिथि और ग्रामीण क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

इस आयोजन के माध्यम से पार्टी ने किसान अधिकारों, महिला सशक्तिकरण और लोकतंत्र की मजबूती का संदेश दिया। सभी उपस्थित लोगों ने स्व. कंचन देवी के समाज सेवा के कार्यों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

गांवों में पक्की सड़क बनाने को लेकर भाकियू के किसानों ने बलदेव ब्लॉक का किया घेराव

मथुरा। विकासखंड बलदेव के गांव में पक्की सड़क बनाने को लेकर शनिवार को भारतीय किसान यूनियन राजनीतिक के सैकड़ो किसानों ने मंडल अध्यक्ष प्रेमपालभरंगर के नेतृत्व में विकासखंड बलदेव कार्यालय का नारेबाजी करते हुए घेराव किया किया। जिला अध्यक्ष भूरा पहलवान ने बताया कि बलदेव ब्लॉक के गांव नगला पोला, इब्राहिमपुर, नगलाताज, किशनपुर में आज के दौर में भी कच्चे रास्ते हैं जिनको बनवाने के लिए कई बार सम्बन्धित प्रधान,ग्राम सचिव ,खंड विकास अधिकारी को अवगत कराया है इसके बावजूद इस आमजन समस्या पर कोई

संज्ञान नहीं लिया गया विवश होकर क्षेत्र के किसानों ने खण्ड विकास कार्यालय बलदेव पर प्रदर्शन किया है। खंड विकास अधिकारी के प्रतिनिधि ए डी ओ पंचायत मुकेश कुमार द्वारा समस्याओं के समाधान के आश्वाशन पर अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया है। धरना प्रदर्शन के दौरान खंड विकास अधिकारी बाहर ड्यूटी होने कारण उपस्थित नहीं हो सकी। इस दौरान प्रेम चौधरी मण्डल अध्यक्ष, पोहप सिंह कोषाध्यक्ष, भीमा चौधरी जिला उपाध्यक्ष, जीतू चौधरी जिला उपाध्यक्ष, मुनिआ चौधरी,वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष, अशोक जिला उपाध्यक्ष, दयाल सिंह जिला सचिव, वीरपाल सिंफ जिला सचिव, लेखराज सिंह, नीरेश चौधरी, देव चौधरी जिला उपाध्यक्ष, जीतू जोशी ,हर्ष सारस्वत जिला सचिव,महाराज सिंह जिला महा सचिव, जयंत चौधरी, पीतो चौधरी, पिंकी चौधरी, रतन देवी एवं सीमा चौधरी आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय.......

राहतकारी जीएसटी

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद घोषित जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू करने करने की घोषणा की गई है। जिसमें अब 12 व 28 फीसदी के दो स्लैब को खत्म करके सिर्फ 5 व 18 फीसदी कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि यह सरकार की ओर से आर्थिक सुधारों की कड़ी में एक नई पहल है, जिससे जीएसटी को तार्किक बनाने व आम जनता को महंगाई से राहत देने का प्रयास है। वहीं दूसरी ओर विलासिता आदि वस्तुओं के लिये चालीस फीसदी का एक नया स्लैब जोड़ा गया है। विपक्ष इसे देर से उठाया गया कदम बता रहा है, तो सरकार आर्थिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम। वहीं कुछ अर्थशास्त्री इस कदम को ट्रंप के टैरिफ वॉर के परिप्रेक्ष्य में उठाया गया सुरक्षात्मक कदम मानते हैं। जिससे घरेलू खपत को बढ़ाकर निर्यात घाटे को कम किया जा सके। वहीं कुछ लोग इसे नवरात्र में दिवाली से पहले सरकार का तोहफा बता रहे हैं। माना जा रहा है कि सरकार की सोच है कि आर्थिक सुधारों के जरिये घरेलू उपभोग व निवेश को बढ़ाया जाए। निस्संदेह, इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा। यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री जीएसटी दरों को घटाने को साहसी व दूरदर्शी कदम बताते हैं, जो उपभोक्ता के उपभोग को बढ़ाएगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एक जुलाई 2017 को पूरे देश में जीएसटी लागू किया था। उसके बाद समय–समय पर विभिन्न उत्पादों की दरों में परिवर्तन किए जाते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद विपक्षी दलों द्वारा शासित सरकारें कई उत्पादों पर जीएसटी दरें तार्किक बनाने की मांग करती रही हैं। जिसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी दर घटाने की मांग की थी। इतना ही नहीं, कुछ उद्योगों, विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों व जन–स्वास्थ्य से जुड़ी वस्तुओं के उत्पादकों द्वारा जीएसटी कम करने की मांग की जाती रही है। इसी तरह किसान संगठन भी कृषि उत्पादों पर कर कम करने की मांग करते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जीएसटी दरों में बदलाव की टाइमिंग को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। उनका मानना है कि इसकी पृष्ठभूमि में ट्रंप के टैरिफों को कम करने की कवायद भी है ताकि घरेलू उपभोग बढ़ाया जा सके और सस्ते निर्यात को बढ़ावा मिल सके। कालांतर इससे देश की अर्थव्यवस्था को गति मिल सकेगी। इसका संकेत प्रधानमंत्री ने पंद्रह अगस्त को लाल किले से संबोधन में भी दिया था। वहीं आगामी वर्ष मार्च में राज्यों को राहत देने वाले कम्पंसेशन सेस की समाप्ति से पहले राज्यों को राहत देने के लिये भी यह कदम उठाया गया हो सकता है। निस्संदेह, इस कदम से सरकारी खजाने में जीएसटी कम आएगा, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि विलासिता की वस्तुओं पर चालीस फीसदी का जीएसटी सरकार के घाटे की पूर्ति में किसी हद तक मदद करेगा। फिर भी कहा जा रहा है कि सरकार को अड़तालीस हजार करोड़ का नुकसान हो सकता है, लेकिन चीजें सस्ती होने पर उपभोग वृद्धि से सरकार को राहत मिल सकती है। वहीं कहा जा रहा है कि असंगठित क्षेत्र को जीएसटी कटौती दर का लाभ नहीं मिलेगा। अर्थशास्त्री लंबे समय से मांग करते रहे हैं कि देश में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले असंगठित क्षेत्र को आर्थिक सुधारों का लाभ दिया जाना चाहिए। बहरहाल, इतना तय है कि जीएसटी दरों में कमी से उपभोक्ता मांग में वृद्धि होगी तो अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। आम आदमी कम पैसे में ज्यादा सामान खरीद पाएगा। वैसे यहां यह बात महत्वपूर्ण है कि इस बदलाव से वास्तव में आम उपभोक्ता को कितना फायदा होता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उद्योग कर कटौती का लाभ उपभोक्ता तक कैसे पहुंचाते हैं। साथ ही नियामक कितनी सतर्कता से अनुपालन सुनिश्चित करते हैं। निस्संदेह यह सही दिशा में उठाया गया एक कदम है। लेकिन यह कितना लाभ आम आदमी को पहुंचाएगा, इस बात पर निर्भर करेगा कि सुधार को कितनी निरंतरता और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता है।

जीएसटी सुधार या भूल सुधार

30 जून और 1 जुलाई 2017 की आधी रात को संसद भवन को बिजली की लड़ियों और फूलों से सजाया गया था। जगमगाती संसद में नरेन्द्र मोदी ने आर्थिक आजादी की घोषणा की और वो भी आधी रात को। मीडिया ने इसे हिंदुस्तान का ऐतिहासिक पल बताया था। मकसद साफ था कि नेहरूजी ने आधी रात को ही दुनिया के सामने देश की आजादी का ऐलान किया था, तो किसी भी तरह उनके समकक्ष आने के लिए नरेन्द्र मोदी ने संसद भवन का ही इस्तेमाल किया और वह भी आधी रात को। दरअसल 1 जुलाई 2017 से गुड्स एंड सर्विसेस टैक्स (जीएसटी) लागू हुई और इसमें वैट, सेवा टैक्स और एक्साइज ड्यूटी जैसे कई अप्रत्यक्ष टैक्स को एक साथ किया गया। लेकिन जिस तरह नोटबंदी की असफलता देश के सामने आने में देर नहीं हुई। वैसे ही जीएसटी की कमियां भी व्यापारियों को परेशान करने लगीं और आम आदमी के लिए भी कई तरह से यह व्यवस्था मारक साबित हुई। अब इस साल प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त को लालकिले से जीएसटी में महत्वपूर्ण बदलाव के वादे किए थे। उनके हिसाब से यह जनता के लिए दीवाली का तोहफा होगा। लेकिन शायद बिहार चुनाव के कारण दीवाली से पहले ही जीएसटी में दरों में बदलाव किया गया है, जो इसी महीने 22 सितंबर से लागू हो जाएगा। जीएसटी परिषद ने 3 सितंबर को इसकी मंजूरी दे दी है। अब 12फीसदी और 28 फीसदी की कर स्लैब को खत्म कर दिया गया है। केवल दो स्लैब 5 फीसदी और 18 फीसदी रहेंगे साथ ही सिगरेट, शराब, निजी नौका, हेलीकॉप्टर जैसे खास सामानों पर 40फीसदी की विशेष कर दर लागू की जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि ये सुधार आम आदमी को ध्यान में रखकर किए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा, यह सुधार आम आदमी, किसानों, मध्यम वर्ग, और एमएसएमई के लिए लाभकारी होंगे। मीडिया एक बार फिर चरणवंदन में लग चुका है। इसे मोदी का मास्टरस्ट्रोक जैसे शीर्षकों से पेश किया जा रहा है, जबकि असल में यह कांग्रेस की सलाह पर अमल है और अपनी गलती का सुधार है। 2017 से आम आदमी को रोजमर्रा की जरूरतों से लेकर जीवनरक्षक दवाओं तक सब पर जीएसटी का भार सहना पड़ता था। अब सरकार इसे आम आदमी के लिए राहत बता रही है। राहुल गांधी 2017 से लेकर अब तक कई बार यह मांग कर चुके थे कि गरीबों, मध्यम वर्ग और एमएसएमई आदि को ध्यान में रखकर कर की दरें लागू हों, लेकिन उनकी बात को नहीं सुना गया। दरअसल जीएसटी के कारण खाद, किताब, ट्रैक्टर, दवाई, पढ़ाई दूध–दही, आटा–अनाज, यहां तक कि बच्चों की पेन्सिल–किताबें, ऑक्सीजन, इंश्योरेंस और अस्पताल के खर्च जैसी रोजमर्रा की चीजें भी महंगी हो गई थीं। देश के इतिहास में पहली बार किसानों पर टैक्स लगा, सरकार ने कृषि क्षेत्र की कम से कम 36 वस्तुओं पर जीएसटी थोपा था। अब राहत देकर इसे जनता के लिए एक बड़े तोहफे के तौर पर पेश किया जा रहा है। नए जीएसटी स्लैब के बाद अब कैंसर की जीवन रक्षक दवाओं पर अब शून्य दर से कर लगेगा। दूध, पनीर, स्नैक्स और ब्रेड सहित आम उपभोग की 175 वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। पनीर, छेना और पराठे सहित सभी प्रकार की भारतीय रोटियों पर कर 5 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगा। बालों का तेल, साबुन, शैंपू, टूथब्रश, रसोई के सामान अब 5 प्रतिशत कर के दायरे में आएंगे। 33 जीवन रक्षक दवाइयां 12 प्रतिशत से शून्य कर के दायरे में आ जाएंगी। मानव निर्मित रेशे पर कर 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत और मानव निर्मित धागे पर कर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा फिलहाल बीमा प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी वसूला जाता है। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि बीमा कंपनियों से आप उपभोक्ता को कितनी राहत मिलेगी, क्योंकि अपने नुकसान की भरपाई भी आखिर में कंपनियां ग्राहकों से ही वसूलेंगी। यही बात बाकी उत्पादों पर भी लागू होती है। एक बार कोई सामान महंगा बिकने लगे तो शायद ही कभी दाम कम होते हैं। इसलिए दीवाली से पहले जिन लोगों को यह लग रहा है कि सरकार से उनको वाकई तोहफा मिल गया तो वे अपनी खुशियां थाम कर रखें। नई दरें लागू होने के बाद देखें कि सामान सस्ता होता है या किसी और तरीके से कीमत बढ़ाई जाती है। वैसे भी इस सरकार का ट्रैक रिकार्ड उद्योगपतियों के साथ खड़े होने का है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया है कि कुल जीएसटी का दो–तिहाई यानी 64फीसदी हिस्सा गरीबों और मध्यम वर्ग की जेब से आता है, और अरबपतियों से केवल 3फीसदी जीएसटी वसूला जाता है, जबकि कॉरपोरेट टैक्स की दर 30फीसदी से घटाकर 22फीसदी कर दी गई है। दरअसल एक देश एक टैक्स की बात करते हुए मोदी सरकार ने 0फीसदी, 5फीसदी, 12फीसदी, 18फीसदी, 28 फीसदी की दरों के साथ 0.25फीसदी, 1.5फीसदी, 3फीसदी और 6फीसदी की विशेष दरों वाली एक देश 9 टैक्स प्रणाली को लागू किया था। इस वजह से व्यापारियों को तकलीफ हो रही थी, उसके कुछ उदाहरण भी सामने आए थे। तमिलनाडु में एक व्यापारी ने अपनी नाराजगी जाहिर की थी तो उसे निर्मला सीतारमण के सामने बाद में माफी मांगनी पड़ी थी। सरकार की जिद और मनमानेपन का यह एक सबूत था। हालांकि जीएसटी को श्री मोदी अपने बड़ी सफलता की तरह पेश करते रहे, लेकिन उसमें बार–बार बदलाव से यह जाहिर था कि 140 करोड़ की आबादी को प्रभावित करने वाले इस फैसले पर ठीक से सोच–विचार भाजपा ने नहीं किया। इससे पहले 28 फरवरी 2005 को यूपीए सरकार ने लोक सभा में जीएसटी की औपचारिक घोषणा की थी। फिर 2011 में तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी जीएसटी बिल लेकर आए तब भाजपा के साथ गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ही जीएसटी का घोर विरोध किया था। अब इसी जीएसटी को वे अपनी उपलब्धि बता रहे हैं, जबकि यह कांग्रेस के फैसले को दोहराने से ज्यादा कुछ नहीं है।

निगम–समाधान कम समस्या ज्यादा

दिनकर कपूर

विगत 2 सितंबर 2025 को उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट द्वारा उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड का गठन करने का फैसला लिया गया है। सरकार का यह कहना है कि इस निगम के बनने के बाद प्रदेश में सरकारी विभागों के कार्यों में चल रही आउटसोर्सिंग अधिक पारदर्शी होगी। कर्मचारियों को पूरा मानदेय मिलेगा और मासिक वेतन के साथ ही उनके ईपीएफ और ईएसआई खातों में सीधे पैसा जायेगा। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए 16 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय निर्धारित किया गया है और यह प्रावधान किया गया है कि 3 साल तक विभाग में आउटसोर्स कर्मचारी अपनी सेवा प्रदान कर सकेंगे। कहा जा रहा है कि आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन विभाग की बजाए अब निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से करेगा। कम्पनीज एक्ट–2013 के सेक्शन–8 के अंतर्गत इस निगम लिमिटेड का गठन किया गया है जो नान प्रॉफिटेबल कम्पनी है। प्रावधान किया गया है कि आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से कर्मचारी उपलब्ध कराने के एवज में निगम विभाग से प्रत्येक कर्मचारी से एक प्रतिशत सेस की वसूली करेगा जिसे निगम कार्यों पर खर्च किया जाएगा और शेष धनराशि आउटसोर्स मजदूरों के वेलफेयर के लिए खर्च की जाएगी। यह भी निगम के गठन के दस्तावेज में रखा गया है कि सृजित पदों पर आउटसोर्सिंग की भर्ती नहीं की जाएगी। आउटसोर्सिंग में एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, महिलाओं, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों और भूतपूर्व सैनिकों को आरक्षण देना सुनिश्चित किया जाएगा। इस आयोग के गठन के बाद समाज में मिश्रित प्रतिक्रियाएं हैं। कुछ लोग इसे सरकार का ऐतिहासिक कदम मान रहे हैं तो वहीं कुछ लोग इसे स्थाई भर्ती की जगह आउटसोर्सिंग से काम कराने की कार्रवाई के रूप में देख रहे हैं। यदि इसके दस्तावेजों को गौर से देखा जाए तो कहा गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार के कार्मिक विभाग के शासनादेश दिनांक 6 जनवरी 2020 में स्पष्ट प्रावधानों के अनुसार सृजित पदों के विरुद्ध आउटसोर्सिंग के आधार पर सेवाएं लेना पूर्णतया प्रतिबंधित है और आउटसोर्सिंग पद का सृजन भी पूर्णतया वर्जित है। इसके बावजूद इस निगम द्वारा चार श्रेणियां में पदों का विभाजन किया गया है। श्रेणी एक में चिकित्सीय, इंजीनियरिंग, व्याख्यान, परियोजना प्रबंधन, लेखा, वास्तुविद, अनुसंधान सेवाएं शामिल हैं। श्रेणी 2 में कार्यालय सेवाएं, आशुलिपिकीय, लेखा, डाटा प्रोसेसिंग, अनुवाद, कल्याण, कला शिक्षण, शारीरिक प्रशिक्षण, शिक्षण, ड्राफ्टिंग, एक्सरे, नर्सिंग, फार्मेसी, इंजीनियरिंग, कानूनी परामर्शदाता, सांख्यिकी सेवाएं आयेंगी। श्रेणी 3 में कार्यालय, आशुलिपिकीय स्तर 3, टंकण, दूरसंचार, भंडारण, फोटोग्राफी, डाटा प्रोसेसिंग, पुस्तकालय, इलेक्ट्रीशियन, यांत्रिक, फिटर, प्रयोगशाला परिचालन, पैरामेडिकल, पर्यवेक्षणीय, प्रबंधकीय सेवाएं, वाहन चालन सेवाएं आयेंगी। श्रेणी 4 में कार्यालय सेवाएं, लिफ्ट ऑपरेटर, प्रयोगशाला, अभिलेख, कार्यालय अधीनस्थ, भंडारण, डाक, रंग रोगन, खानपान, बागवान, श्रम सेवाएं जैसी 43 विशिष्ट सेवाएं और यांत्रिक, विद्युत, सैनिटेशन, पंपिंग, फायर सुरक्षा सेवाएं इत्यादि जैसी अति विशिष्ट 47 सेवाएं शामिल की गई हैं। इस सूची में प्रदेश में मौजूदा समय में आपको सरकारी विभागों में ज्यादातर जारी काम देखने को मिलेंगे। यहीं कारण है कि इस निगम के गठन के पूर्व प्रदेश के लगभग जितने भी विभाग हैं सभी विभागों से अनापत्ति हासिल की गई है। स्पष्ट है कि यह सारी सेवाएं जो अभी स्थाई कामों और सृजित पदों में हो रही हैं आने वाले समय में उन सबके आउटसोर्सिंग यानी संविदा प्रथा में जाने की तैयारी इस निगम के गठन के साथ की गई है। सब लोग अवगत हैं कि ठेका मजदूर कानून 1970 की धारा 10 स्पष्ट रूप से कहती है कि परमानेंट नेचर के काम में संविदा ठेका प्रथा लागू नहीं की जाएगी। इसके बावजूद राष्ट्रपति भवन से लेकर हर विभाग में धीरे–धीरे संविदा प्रथा चालू कर दी गई है, जिसके जरिए स्थाई कामों और सृजित पदों के सापेक्ष बेहद कम मानदेय या पारिश्रमिक पर काम कराकर मजदूरों और कर्मचारियों की श्रम शक्ति की बड़े पैमाने पर लूट की जा रही है। एक ही उदाहरण से आप इस निगम के द्वारा किए जा रहे न्यूनतम पारिश्रमिक भुगतान के दावे के बारे में समझ सकते हैं। चिकित्सीय सेवाओं के लिए एमबीबीएस डॉक्टर का न्यूनतम पारिश्रमिक निगम की तरफ से 40000 रूपए प्रतिमाह तय किया गया है। चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से बात करने पर बताया गया कि इस समय संविदा पर जो एमबीबीएस डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में नियुक्त किये जा रहे हैं उन्हें 1 लाख रूपए मानदेय दिया जा रहा है। जो डॉक्टर ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत नियोजित हो रहे हैं वह भी 60–70 हजार रूपए पा रहे हैं। यदि सृजित पद के सापेक्ष सरकारी भर्ती से कोई डॉक्टर आता है तो उसकी प्रारंभिक तनख्वाह करीब 87000 बनती है। ऐसे में लोग समझ सकते हैं कि इससे कितनी बड़ी लूट का भविष्य में रास्ता खोला जा रहा है।

विषय- गुरु बिन ज्ञान नहीं

एक गुरु कई रूप है, गुरु है ईस समान,
गुरु की महिमा का,कैसे करूं बखान।

गुरु बिन ज्ञान नहीं, गुरु है अमृत की खान,
अज्ञानता के तम को हरते, होते गुरु महान।

गुरु मात है ,गुरु पिता, गुरु है मित्र स्वरूप,
गुरु ज्ञान का कोष है, गुरु के अनेक है रूप।

गुरु अनुपम उपहार है, ईश्वर का वरदान,
सबको जीवन जीने का,धरा पर देता ज्ञान।

रौशन करता जीवन को, गुरु से है पहचान,
गुरु संस्कारों से बच्चों की, बढ़ जाती है शान।

गुरु वो कुंभकार है, घट कों दिया संवार,
गुरु ज्ञान से ही , होता जीवन में उजियार।

गुरु ज्ञान के सागर है, गुरु देते संस्कार,
गुरु पथ प्रदर्शक होते, सिखलाते व्यवहार

रंजना बिनानी काव्या
गोलाघाट असम

एससीओ 2025 और भारत की तीन–स्तंभ रणनीति, सुरक्षा, संपर्क और अवसर

अरुण कुमार श्रीवास्तव

शंघाई सहयोग संगठन, जिसकी स्थापना वर्ष 2001 में हुई थी, मूल रूप से सुरक्षा केंद्रित मंच के रूप में अस्तित्व में आया। चीन, रूस और मध्य एशियाई देशों के लिए यह संगठन आतंकवाद और सीमाई स्थिरता का साझा मंच था। किंतु दो दशकों में यह संगठन धीरे–धीरे बहुआयामी स्वरूप ग्रहण कर चुका है, जिसमें सुरक्षा के साथ–साथ आर्थिक सहयोग, संपर्क, सांस्कृतिक आदान–प्रदान और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की स्थापना जैसे मुद्दे प्रमुख हो गए हैं। भारत, जिसने 2005 में प्रेक्षक के रूप में इसमें प्रवेश किया और 2017 में पूर्ण सदस्यता प्राप्त की, इस संगठन में एक ओर अवसर देखता है तो दूसरी ओर चुनौतियों का सामना भी करता है। वर्ष 2025 का तियानजिन शिखर सम्मेलन, जो संगठन की 25वीं वर्षगांठ भी था, इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर भारत की भागीदारी की रूपरेखा तीन स्तंभोंकृसुरक्षा, संपर्क और अवसरकृके रूप में प्रस्तुत की। यह केवल भाषणबाजी नहीं थी, बल्कि एक स्पष्ट और संतुलित रणनीति थी, जिसके द्वारा भारत ने अपनी सुरक्षा चिंताओं को रेखांकित किया, संगठन में असंतुलनों को संतुलित करने का प्रयास किया और स्वयं को भविष्य–निर्माता शक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश की। इन तीन स्तंभों की गूंज तियानजिन घोषणा में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई, जहाँ पहली बार "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" का भारत–प्रस्तावित दृष्टिकोण औपचारिक रूप से शामिल किया गया। पहला स्तंभ, सुरक्षा, भारत की प्राथमिक चिंता है। मोदी ने आतंकवाद के प्रति "शून्य सहनशीलता" का सिद्धांत दोहराते हुए दोहरे मानदंडों को अस्वीकार किया। यह स्पष्ट संदेश पाकिस्तान की ओर निर्देशित था, जो आतंकवादी संगठनों को शरण और समर्थन देने के बावजूद स्वयं को आतंकवाद–रोधी शक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है। भारत ने सुनिश्चित किया कि तियानजिन घोषणा में कश्मीर के पुलवामा–पहलगाम हमले सहित पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हाल के बड़े आतंकवादी हमलों का स्पष्ट उल्लेख हो। यह भारत की कूटनीतिक जीत थी, क्योंकि पहले की घोषणाएँ अक्सर सामान्य शब्दों में ही सीमित रहती थीं। भारत ने क्षेत्रीय आतंकवाद–रोधी संरचना (त।जै) को सशक्त बनाने, खुफिया साझाकरण बढ़ाने, आतंक वित्तपोषण पर रोक और डिजिटल कट्टरपंथ पर नियंत्रण के उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया। अफगानिस्तान की अस्थिरता को लेकर भी भारत ने चेतावनी दी कि यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो पूरा क्षेत्र असुरक्षा की चपेट में आ जाएगा। दूसरा स्तंभ, संपर्क, भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। मध्य एशिया ऊर्जा–संपन्न और रणनीतिक रूप से अहम क्षेत्र है, किंतु भारत का सीधा भौगोलिक संपर्क सीमित है। मोदी ने चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर–दक्षिण परिवहन गलियारे जैसे परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने वाले संपर्क ढांचे का समर्थन करता है। यह चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की अप्रत्यक्ष आलोचना थी, विशेषकर चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा, जो भारतीय क्षेत्र गिलगित–बाल्टिस्तान से होकर गुजरता है। भारत ने यह स्पष्ट किया कि विकास का मार्ग किसी देश की संप्रभुता से समझौता करके नहीं बनाया जा सकता। तियानजिन शिखर सम्मेलन में भारत–चीन संबंधों में आंशिक संवाद भी देखने को मिला। मोदी और शी जिनपिंग की संक्षिप्त मुलाकात में सीमा स्थिरता, वीजा बहाली और कैलाश–मानसरोवर जैसी तीर्थयात्राओं के पुनः प्रारंभ की संभावनाओं पर चर्चा हुई। यह इंगित करता है कि भारत के लिए संपर्क केवल भौतिक अवसंरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के बीच संबंध, व्यापार सामान्यीकरण और सांस्कृतिक आदान–प्रदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। तीसरा स्तंभ, अवसर, भारत की दूरदर्शिता और रचनात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है। मोदी ने कहा कि एससीओ केवल सुरक्षा और भू–राजनीति तक सीमित न रहकर नवाचार, युवाओं के सशक्तिकरण और सतत विकास का मंच बने। भारत ने एससीओ स्टार्टअप फोरम को सशक्त बनाने, समावेशी डिजिटल शासन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग पर सहयोग का प्रस्ताव रखा। पर्यावरणीय स्थिरता, हरित ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ संयुक्त प्रयासों की भी वकालत की। साथ ही, भारत ने एससीओ में "सभ्यतागत संवाद मंच" स्थापित करने का सुझाव दिया ताकि एशियाई देशों की साझा सांस्कृतिक धरोहर को उजागर किया जा सके। यह स्तंभ भारत को मात्र सुरक्षा केंद्रित राष्ट्र से आगे बढ़ाकर सांस्कृतिक और नैतिक नेतृत्वकर्ता की भूमिका प्रदान करता है।

तियानजिन घोषणा में भारत की इन पहलों की गूंज साफ दिखाई दी। पहली बार घोषणा में "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" जैसे भारतीय दृष्टिकोण को अपनाया गया। यह वही विचार है जिसे भारत ने अपने जी20 अध्यक्षता काल में भी प्रस्तुत किया था। घोषणा में आतंकवादी घटनाओं की स्पष्ट निंदा की गई और एससीओ विकास बैंक की स्थापना पर सहमति बनी, जिसमें चीन ने 1.4 अरब डॉलर की प्रारंभिक पूंजी देने का वादा किया। यद्यपि इससे चीन की आर्थिक प्रभुत्व की आशंका बनी रहती है, किंतु यह एससीओ को एक ठोस आर्थिक मंच बनाने की दिशा में कदम है। घोषणा में बहुध्रुवीयता, संयुक्त राष्ट्र सुधार और विकासशील देशों की अधिक भागीदारी का समर्थन किया गया। शिक्षा, संस्कृति और सभ्यतागत संवाद को बढ़ावा देने का संकल्प भी इसमें शामिल था, जो भारत की पहल से मेल खाता है। भारत की इन उपलब्धियों के बावजूद चुनौतियाँ बनी हुई हैं। पाकिस्तान लगातार कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाने की कोशिश करता है, हालांकि उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिलती। चीन की बेल्ट एंड रोड परियोजना अब भी कई देशों को आकर्षित करती है, जिससे भारत का असहमति का रुख संगठन में अंतर्विरोध पैदा करता है। अफगानिस्तान की स्थिति को लेकर कोई ठोस सामूहिक रणनीति अब भी नहीं बन पाई है। साथ ही, भारत को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए पश्चिमी मंचों जैसे क्वाड और हिंद–प्रशांत पहलों के साथ संतुलन साधना पड़ता है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में, एससीओ की प्रासंगिकता तेजी से बढ़ रही है। यह संगठन विश्व की लगभग आधी आबादी और पाँचवें हिस्से की अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे समय में जब रूस–यूक्रेन युद्ध, अमेरिका–चीन प्रतिस्पर्धा और पश्चिम एशिया की अस्थिरता अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर छाई हुई है, एससीओ बहुध्रुवीयता का प्रतीक बनकर उभरा है। भारत की सक्रिय भूमिका इस संगठन को लोकतांत्रिक और विकासोन्मुखी आयाम प्रदान करती है। भविष्य की राह में भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आतंकवाद–रोधी सहयोग केवल कागजी न रहे।

बिग बॉस की ट्रॉफी के लायक नहीं थे एमसी स्टैन

नेहल चुडासमा

बिग बॉस 19 की प्रतिभागी नेहल चुडासमा का मानना है कि वो अपनी इमेज से कोई समझौता नहीं करेंगी। अगर किसी ने उन्हें छेड़ा तो वो उसे मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं। मिस दीवा यूनिवर्स 2018 रहीं नेहल चुडासमा लोकप्रिय रियलिटी शो शबिग बॉस 19श का हिस्सा बनी हैं। फरवरी 2024 में मुंबई में उन पर हमला हुआ था, जिसके बाद वह चर्चा में आईं। शो में कदम रखने से पहले नेहल ने अमर उजाला से खास बातचीत की। बातचीत के दौरान उन्होंने ब्यूटी क्वीन इमेज, पर्सनल अटैक, बॉडी शेमिंग और यहां तक कि पिछले सीजन के विजेता तक पर अपनी राय रखी। आपने हाल ही में बताया था कि आप एक हमले का शिकार हो चुकी हैं। अगर घर में कोई इस स्टोरी पर सवाल उठाए या इसे आपके खिलाफ इस्तेमाल करे तो कैसे डील करेंगी? जो मैंने झेला है वो मेरा सच है और उसे कोई मिटा नहीं सकता। अगर कोई उस पर उंगली उठाएगा, तो मैं बहुत एक्सप्रेसिव तरीके से अपना पक्ष सामने रखूंगी। मैं फैक्ट्स रखूंगी, चुप नहीं बैठूंगी। अगर वो इंसान बहस को अलग टोन में ले जाएगा, तो मैं भी उसी टोन में जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। क्योंकि मेरे लिए मेरी सच्चाई पर समझौता करना नामुमकिन है। अक्सर कहा जाता है कि ब्यूटी क्वीन्स सिर्फ फेक स्माइल्स और क्राउन तक ही सीमित होती हैं। आप कैमरे के सामने चौबीसों घंटे अपनी रियल पर्सनैलिटी कैसे दिखाएंगी? यही सबसे बड़ा भ्रम है और मैं इसे बिग बॉस में तोड़ना चाहती हूं। सच ये है कि कोई भी इंसान 24 घंटे, सातों दिन फेक नहीं रह सकता। अगर कोई नकली है, तो वो तुरंत एक्सपोज हो जाएगा। मैं खुद को छुपाना जानती ही नहीं। मैं जैसी हूं, वैसी ही नजर आऊंगी। लोग कहेंगे कि अरे, ये तो ब्यूटी क्वीन है लेकिन उन्हें ये भी दिखेगा कि मेरे पीछे एक स्ट्रॉन्ग, रियल और वोकल इंसान खड़ा है। बिग बॉस ड्रामे और गेम्स के लिए ही जाना जाता है। क्या आप जीतने के लिए अपनी वैल्यूज से समझौता करेंगी? बिल्कुल नहीं। मेरे लिए जीत से ज्यादा जरूरी मेरी इमेज और मेरे प्रिंसिपल्स हैं। हां, मैं जानती हूं कि इस घर में ड्रामा रोज होगा, लेकिन वो मैं अपनी स्ट्रैटेजी से संभालूंगी। अगर लोगों को लगता है कि मैं सिर्फ ड्रामे से बचूंगी तो ये उनकी गलतफहमी है। मैं खेलूंगी, लेकिन नकली झगड़े या फेक इमोशन्स नहीं दिखाऊंगी। जो भी करूंगी, रियल करूंगी। अगर घर में कोई आपको आपके बॉडी, जेंडर या बैकग्राउंड पर टारगेट करता है तो आपकी रिएक्शन क्या होगी? सबसे पहले तो मैं ये कहूंगी कि ऐसे कॉमेंट्स किसी इंसान के लेवल को दिखाते हैं, मेरे नहीं। अगर कोई मुझे बॉडी–शेम करने की कोशिश करेगा या मेरे जेंडर को लेकर तंज मारेगा, तो मैं चुप नहीं बैठूंगी। मैं सामने उसी वक्त बोलूंगी और बाकी सबको भी बता दूंगी कि असल में गलती किसकी है। मैं चाहती हूं कि पूरी दुनिया देखे कि ऐसे कॉमेंट्स करने वाले लोग कितनी छोटी सोच वाले होते हैं। हां, जवाब भी मुंहतोड़ मिलेगा। आपने बिग बॉस के पिछले सीजन देखे हैं? कोई फेवरिट रहा है आपका? हां, मेरा फेवरिट सीजन हाल ही का था जिसमें प्रियंका चाहर चौधरी थीं। मुझे उनका अंदाज बहुत पसंद आया। उन्होंने हर सिचुएशन में अपनी राय रखी और किसी के आगे झुकीं नहीं। मेरे लिए वो एक सच्ची स्ट्रॉन्ग कंटेस्टेंट थीं। क्या कोई ऐसा विनर है जिसे आप काबिल नहीं मानतीं? हां, ये तो मैं खुलकर कहूंगी। मेरे हिसाब से एमसी स्टैन डिजर्विंग विनर नहीं थे। उनकी पार्टिसिपेशन उतनी स्ट्रॉन्ग नहीं थी। मैंने उनसे जुड़े कई विवादित कॉमेंट्स भी सुने, जो मुझे बेहद अनाप–शनाप लगे। मुझे लगता है कि उनकी जीत ने सबको हैरान किया और मैं आज भी मानती हूं कि ट्रॉफी किसी और के हाथ में जानी चाहिए थी। अगर आपको बिग बॉस की ट्रॉफी और सीधा एक बॉलीवुड फिल्म ऑफर में से चुनना पड़े तो क्या चुनेंगी? ये मुश्किल सवाल है, लेकिन मैं बिग बॉस की ट्रॉफी चुनूंगी। क्योंकि अगर मैंने वो जीती, तो उसके बाद फिल्म ऑफर अपने आप आएंगे।

कंताराः चैप्टर 1 में ऋषभ शेट्टी ने बिना बॉडी डबल दिए खतरनाक स्टंट

होम्बले फिल्म्स की कंतारा चौप्टर 1 सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। 2022 में आई कंतारा की जबरदस्त सफलता के बाद, इसे बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त परफॉर्मेंस के कारण सबसे बड़ी स्लीपर हिट का दर्जा दिया गया। ऐसे ने अब इसका प्रीक्वल उस लेगेसी को आगे ले जाने का वादा करता है, जिससे दर्शकों का उत्साह और भी ज्यादा बढ़ गया है। साल की सबसे बड़ी फिल्म होने के नाते, ऋषभ शेट्टी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं और उन्होंने अपने सभी स्टंट खुद बिना किसी बॉडी डबल के किए हैं। कंतारा चौप्टर 1 के एक्शन–स्टंट कोरियोग्राफर अर्जुन राज ने बताया कि, "हमने ऋषभ के लिए बॉडी डबल का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने बिना किसी मदद, खुद अपने स्टंट किए हैं। उनका बॉडी लैंग्वेज इतना अलग है कि कोई डुप्लीकेट कॉपी नहीं कर सकता। उन्होंने कलारिपयट्टू, तलवारबाजी और घुड़सवारी की ट्रेनिंग ली है। इसके बावजूद जो रिस्क उन्होंने उठाए, वो सिर्फ उनकी हिम्मत और जज्बे से संभव हुआ है। मैंने कई एक्टर्स के साथ काम किया है, लेकिन ऋषभ सिर्फ इतना नहीं कहते कि 'मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश करूंगा', बल्कि वो कहते हैं 'मैं जब तक जिंदा हूं, मैं करूंगा।' यही स्पिरिट सबकुछ बदल देती है।" होम्बले फिल्म्स की कंतारा चौप्टर 1 सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है। इसकी क्रिएटिव टीम की बात करें तो इसमें म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंगालन शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर इस फिल्म के विजुअल से लेकर इमोशनल नैरेटिव को खूबसूरती से आकर दिया है।इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मेकर्स ने कंतारा चौप्टर 1 के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट के साथ एक बड़ा वॉर सीक्वेंस तैयार किया है, जिसमें 500 से ज्यादा कुशल फाइटर्स और 3,000 लोग शामिल हैं। घ्यह सीक्वेंस 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर में, ऊबड़–खाबड़ इलाके में 45–50 दिनों के दौरान फिल्माया गया था, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े सीक्वेंसेज में से एक बनाता है।यह फिल्म 2 अक्टूबर को दुनिया भर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। यह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए भी अलग–अलग भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुँचेगी। फिल्म कंतारा चौप्टर 1 के साथ, होम्बले फिल्म्स भारतीय सिनेमा की सीमाओं को आगे बढ़ा रही है। यह फिल्म लोककथाओं, आस्था और सिनेमा की शानदार कारीगरी का जश्न मनाती है।

अनुष्का शेट्टी स्टारर घाटी ट्रेलर देख प्रभास ने जाहिर की उत्सुकता, टीम को दी शुभकामनाएं

डिजिटल पैन इंडिया सुपरस्टार प्रभास की वजह से क्राइम ड्रामा घाटी के इर्द–गिर्द चर्चा और तेज हो गई है। ऐसे में प्रोजेक्ट के लिए प्रभास द्वारा दिए गए संदेश ने सिर्फ ध्यान नहीं खींचा है, बल्कि बाहुबली की इस जोड़ी के बीच की बॉन्डिंग की वजह से इस प्रोजेक्ट के लिए उत्सुकता भी बढ़ा दी है। बता दें कि अनुष्का शेट्टी, जिन्हें प्यार से "स्वीटी" उनके करीबियों द्वारा कहा जाता है, वह इस हाई–ऑक्टेन एक्शन क्राइम ड्रामा में अहम भूमिका निभा रही हैं। सोशल मीडिया पर प्रभास ने फिल्म के ट्रेलर को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए, अपनी लॉन्गटाइम को–स्टार और दोस्त अनुष्का शेट्टी के लिए एक दिल से लिखा संदेश पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने लिखा है।

"रुळींजप का ट्रेलर बहुत दमदार और दिलचस्प लग रहा है। इस शानदार रोल में तुम्हें देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता, स्वीटी। पूरी टीम को मेरी तरफ से बहुत–बहुत शुभकामनाएँ! घाटी को कृष जगरलामुडी ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म एक जबरदस्त सिनेमाई सफर का वादा करती है, जिसकी कहानी एक गंभीर और सच्ची दुनिया पर आधारित है। फिल्म में शानदार स्टार कास्ट है, जिसमें अनुष्का शेट्टी लीड रोल में हैं, वहीं उनके साथ विक्रम प्रभु, चौतन्य राव मडाडी, और अनुभवी एक्टर जगपति बाबू भी स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं।

प्रोडक्शन की बात करें तो घाटी को राजीव रेड्डी येदुगुरु और साई बाबू जगरलमुदि ने फर्स्ट फ्रेम एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। यह यूवी क्रिएशन्स की पेशकश है, जिसे एक पावरहाउस प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन हाउस के रूप में जाना जाता है। बता दें कि इसे प्रभास ने प्रमोद उप्पलापति और वी. वामसिक्रिष्ण रेड्डी के साथ मिलकर स्थापित किया है। प्रभास के एंडोर्समेंट की वजह से घाटी के आसपास की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। फैंस बेसब्री से अनुष्का शेट्टी को उनके अब तक के सबसे इंटेंस अवतार में देखने का इंतजार कर रहे हैं। ट्रेलर ने पहले ही ऑनलाइन धूम मचा दी है। ऐसे में जबरदस्त टीम के साथ घाटी इस साल की सबसे चर्चित तेलुगु फिल्मों में से एक बनने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उत्साह को और बढ़ाते हुए, बाहुबलीरू द एपिक के री–रिलीज में बाहुबली की सबसे पसंदीदा जोड़ी प्रभास और अनुष्का शेट्टी को बड़ी स्क्रीन पर फिर से साथ देखने मिलने वाला है। इस तरह से फैंस उनकी आइकॉनिक केमिस्ट्री को फिर से सिल्वर स्क्रीन पर देखने का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं।

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी आज भी फैंस के दिलों की धड़कन हैं. अपने टैलेंट के दम पर एक्टर ने खूब शोहरत कमाई है. साथ ही सालों के फिल्मी करियर से उन्होंने खूब पैसा भी कमाया है. एक्टर लंबे समय से फिल्मों में लीड रोल नहीं कर रहे हैं, फिर भी उनके पास दौलत की कोई कमी नहीं है. 64 साल की उम्र में भी सुनील शेट्टी काफी फिट नजर आते है. वो आज भी एक लग्जीरियस लाइफस्टाइल जीते हैं. द टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 125 करोड़ रुपए है. आलीशान घर, महंगी गाड़ियां और लाखों की घड़ियां... साइड रोल करके भी लग्जीरियस लाइफ जीते हैं सुनील शेट्टी सुनील शेट्टी के पास कई शानदार घरसुनील शेट्टी के पास मुंबई में अल्टामाउंट रोड पर एक शानदार अपार्टमेंट है. इसकी कीमत 15 से 20 करोड़ रुपए बताई जाती है. वहीं उनका खंडाला में एक फार्महाउस है जिसका नाम जहान है. 5 एकड़ में फैले इस फार्म हाउस की कीमत 20 करोड़ रुपए बताई जाती है. इसके अलावा उन्होंने कई दूसरी प्रॉपर्टीज मे भी इनवेस्टमेंट की हुई है. आलीशान घर, महंगी गाड़ियां और लाखों की घड़ियां... साइड रोल करके भी लग्जीरियस लाइफ जीते हैं सुनील शेट्टी सुनील शेट्टी का लग्जीरियस कार कलेक्शन सुनील शेट्टी लग्जीयरिस गाड़ियों के शौकीन हैं और ऐसे में उनके पास कई शानदार गाड़ियां हैं. एक्टर लैंड रोवर डिफेंडर, हमर भ2 और ठडॅ ग5 जैसी महंगी गाड़ियों के मालिक हैं. इसके अलावा उनके पास मर्सिडीज–बेंज ळ63 ।डळ, डळ कॉमेट म्ट और मर्सिडीज–बेंज ळरै 350क भी है. फिल्म फीस और इनकम सोर्स कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सुनील शेट्टी अपनी एक फिल्म के लिए 2 से 3 करोड़ रुपए फीस वसूल करते हैं. इसके अलावा वो ब्रांड एडोर्समेंट से 35 से 50 लाख रुपए तक की कमाई करते हैं. उनकी एक ऑनलाइन कास्टिंग कंपनी एफ३ द काउच (थ्ज्ब) है. इसके अलावा वो सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग (ब्ब्स्) में मुंबई हीरोज क्रिकेट टीम के कैप्टन भी हैं. आलीशान घर, महंगी गाड़ियां और लाखों की घड़ियां... साइड रोल करके भी लग्जीरियस लाइफ जीते हैं। सुनील शेट्टी सुनील शेट्टी का फिटनेस रूटीन खुद को फिट रखने के लिए एक्टर काफी जद्दोजहद करते हैं.।

'बिग बॉस' के बाद शमिता को थेरेपी लेनी पड़ी

शमिता शेट्टी ने बिग बॉस में सिर्फ एक बार नहीं, बल्कि 3 बार हिस्सा लिया है। हाल ही में शमिता ने कहा कि शो का अनुभव उनके लिए भावनात्मक रूप से कठिन था। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने दूसरे शो के बाद थेरेपी की जरूरत पड़ी। बता दें कि शमिता पहली बार 2009 में एंट्री की थी। उस समय शो अमिताभ बच्चन द्वारा होस्ट किया गया था। हालांकि, शमिता को बीच में ही शो छोड़ना पड़ा क्योंकि उनकी बहन शिल्पा शेट्टी की शादी थी। फिर कई सालों बाद शमिता ने बिग बॉस व्ज्ज 1 में भाग लिया। बाद में उसी साल वह बिग बॉस 15 में भी दिखीं। शिल्पा शेट्टी की छोटी बहन शमिता ने फिल्म श्मोहब्बतेंश से अभिनय की शुरुआत की। पिंकविला से बातचीत में शमिता शेट्टी ने कहा कि ब्टप्क के समय बिग बॉस मेरे जीवन में आया। उस समय बहुत लोग घर पर बैठे थे और उनके पास काम नहीं था। इसलिए मैंने सोचा कि इस मौके का पूरा फायदा उठाना चाहिए। परिस्थितियां ऐसी थीं कि मैंने सोचा शायद घर में जाकर दुनिया को दिखाना बेहतर होगा कि मैं असल में कौन हूं, क्योंकि उस समय मुझे हमेशा जज किया जा रहा था और मैं इससे बहुत थक चुकी थी और बिग बॉस ने मुझे बहुत कुछ दिया।

राजस्थान की फेमस नागौरी दाल तड़का बनाने की आसान सी रेसिपी, बढ़ जाएगा डिनर का स्वाद

राजस्थान की बहुत सारी डिश फेमस है। जिसे लोग खाना पसंद है। इसी लिस्ट में शामिल है नागौरी दाल तड़का, जिसका स्वाद लोगों को जुबान पर चढ़ जाता है। अगर डिनर में कुछ स्पेशल बनाने का मन है तो बिना ज्यादा मेहनत के फटाफट नागौरी दाल तड़का बनाकर रेडी करें। ये चावल, रोटी या पराठा हर किसी के साथ टेस्टी लगती है। जानें क्या है नागौरी दाल तड़का बनाने की इजी रेसिपी।

नागौरी दाल तड़का बनाने की सामग्री

1 कप मसूर की दाल
आधा कप मूंग की दाल
एक चम्मच हल्दी पाउडर
नमक स्वादानुसार
एक चम्मच जीरा
एक चम्मच सौंफ
सूखी साबुत लाल मिर्च
धनिया की पत्तियां
बारीक कटे 2 प्याज
कसूरी मेथी
कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर
अमचूर पाउडर एक चम्मच
पानी दो कप

नागौरी दाल तड़का बनाने की रेसिपी

सबसे पहले मसूर और मूंग की दाल को अच्छी तरह से धोकर करीब आधे घंटे के लिए भिगोकर रख दें। फिर इन दोनों भीगी दाल के पानी को छानकर प्रेशर कूकर में डालें। दो कप पानी, नमक और हल्दी पाउडर डालें। थोड़ा सा तेल डालें और सीटी लगा दें। दो से तीन सीटी बजने के बाद गैस की फ्लेम को बंद कर दें।

करें तड़के की तैयारी

तड़का लगाने के लिए पैन या कड़ाही लें। उसमे तेल डालकर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो जीरा चटकाएं। साथ में सौंफ और साबुत लाल मिर्च भी डालें। हींग डालकर बारीक कटा प्याज डालें। अच्छी तरह से सुनहरा होने तक भूनें। जब प्याज सुनहरा होने लगे तो इसमे बारीक कटी धनिया हरा मिर्चा, कश्मीरी लाल मिर्च और कसूरी मेथी डालें। साथ में अमचूर पाउडर डालकर पकी हुई दाल को मिला दें। अच्छी तरह मिक्स करें और बस रेडी है टेस्टी नागौरी दाल तड़का। इसे चावल, रोटी या पराठा के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

काले रंग होने के कारण पति को ताने मारती थी पत्नी, कोर्ट ने क्रूरता मानते हुए तलाक की दी मंजूरी

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा कि अपने पति की त्वचा का रंग ''कालाश्श होने के कारण उसका अपमान करना क्रूरता है तथा यह उस व्यक्ति को तलाक की मंजूरी दिए जाने की ठोस वजह है। उच्च न्यायालय ने 44 वर्षीय व्यक्ति को अपनी 41 वर्षीय पत्नी से तलाक दिए जाने की मंजूरी देते हुए हाल में एक फैसले में यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों की बारीकी से जांच करने पर निष्कर्ष निकलता है कि पत्नी काला रंग होने की वजह से अपने पति का अपमान करती थी और वह इसी वजह से पति को छोड़कर चली गयी थी।

उच्च न्यायायल ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(ए) के तहत तलाक की याचिका मंजूर करते हुए कहा– ''इस पहलू को छिपाने के लिए पत्नी ने पति के खिलाफ अवैध संबंधों के झूठे आरोप लगाए। ये तथ्य निश्चित तौर पर क्रूरता के समान हैं।श्श बेंगलुरु के रहने वाले इस दंपति ने 2007 में शादी की थी और उनकी एक बेटी भी है। पति ने 2012 में बेंगलुरु की एक पारिवारिक अदालत में तलाक की याचिका दायर की थी। महिला ने भी भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए (विवाहित महिला से क्रूरता) के तहत अपने पति तथा ससुराल वालों के खिलाफ एक मामला दर्ज कराया था। उसने घरेलू हिंसा कानून के तहत भी एक मामला दर्ज कराया और बच्ची को छोड़कर अपने माता–पिता के साथ रहने लगी। उसने पारिवारिक अदालत में आरोपों से इनकार कर दिया और पति तथा ससुराल वालों पर उसे प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। पारिवारिक अदालत ने 2017 में तलाक के लिए पति की याचिका खारिज कर दी थी जिसके बाद उसने उच्च न्यायालय का रुख किया था। न्यायमूर्ति आलोक अराधे और न्यायमूर्ति अनंत रामनाथ हेगड़े की खंडपीठ ने कहा– ''पति का कहना है कि पत्नी उसका काला रंग होने की वजह से उसे अपमानित करती थी। पति ने यह भी कहा कि वह बच्ची की खातिर इस अपमान को सहता था।'' उच्च न्यायालय ने कहा कि पति को ''काला'' कहना क्रूरता के समान है। उसने पारिवारिक अदालत के फैसले को रद्द करते हुए कहा– ''पत्नी ने पति के पास लौटने की कोई कोशिश नहीं की और रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य यह साबित करते हैं कि उसे पति का रंग काला होने की वजह से इस शादी में कोई दिलचस्पी नहीं थी।

बिस्तर पर लेटे–लेटे करें ये स्ट्रेचिंग, एक बार में खुलेगी नींद और रहेंगे एनर्जेटिक

सुबह आंख खुलते ही कई लोग तो सुबह के समय थकावट महसूस करते हैं। अगर आप भी सुबह उठकर लो एनर्जी महसूस करते हैं, तो आपको अपने दिन की शुरुआत करने का तरीका बदलना चाहिए। अगर आप सुबह उठते ही अपने कामों में लग जाते हैं तो अब से बिस्तर से उठने से पहले अपने शरीर और दिमाग को फिट रखने के लिए कुछ स्ट्रेचिंग को शामिल करें। ऐसा करने से आपको बेहतर महसूस करने में मदद मिलेगी। यहां जानिए ऐसी स्ट्रेचिंग एक्ष्सरसाइज के बारे में जिसे आप बिस्ष्तर पर लेटे–लेटे आराम से कर सकते हैं।

मॉर्निंग स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज

पहले करें ये काम

स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज शुरू करने से पहले वॉर्मअप करना जरूरी है। इसे करने से पहले अपने चादर और कंबल को हटा दें और सीधे लेट जाएं। फिर पैरे और हाथों को सीधा रखें, हथेली और पंजों को आगे की और खीचें और फिर शरीर में खींचाव महसूस करें। कुछ देर सा करने के बाद शरीर के निचले अंगों को मोड़ें। अपने घुटनों और पैरों को हवा में रखें। अपने घुटनों को हवा में रखते हुए, अपने पैरों को ऊपर और नीचे करें। बाद में अपनी एड़ियों को मोड़ें और उन्हें आगे–पीछे करें। फिर बिस्तर पर बैठ जाएं। धीरे–धीरे बाएं और फिर दाएं देखें। अपने कंधों को कुछ बार घुमाएं, दोनों हाथों को अपने सामने रखें, फिर हाथ मोड़ें और कंधों को छुएं। ऐसा 10 बार करें। फिर अपनी कलाइयों को ऊपर और नीचे मोड़ें, इसी के साथ अपने हाथों को कई बार खोलें और बंद करें।

यूं करें शुरू

सिंगल घुटनों को खींच कर स्ट्रेचिंग शुरू करें। इसके लिए अपने पैरों को फैलाकर अपनी पीठ के बल लेटें और अपने बाएं घुटने को मोड़ें। अपनी बायीं जांघ के पिछले हिस्से को पकड़ें और अपने घुटने को अपनी छाती की ओर खींचें। इस दौरान अपने दाहिने पैर पर खिंचाव महसूस करें, इसके लिए उस पैर की जांघ और पिंडली को बिस्तर की ओर दबाएं।कुछ सेकेंड रुक कर शुरुआती पॉजिशन में लौटें और दूसरे पैर से दोहराएं।

इस स्ट्रेच को करने के लिए अपने पैरों को फैलाकर दाहिनी ओर लेटें। अपने दाहिने हाथ को अपने सिर के नीचे रखें। फिर अपने बाएं घुटने को मोड़ें और अपनी एड़ी को अपने बाएं नितंब की ओर लाएं, अपने बाएं हाथ से पीछे अपने पैर को पकड़ें। अपनी जांघ और कूल्हे के सामने खिंचाव महसूस करें। फिर बाईं ओर मुड़ें और एक्सरसाइज दोहराएं।

पूरी बॉडी की स्ट्रेचिंग करने के लिए सांस लेते हुए, अपने हाथों को ऊपर की ओर करें और उंगलियों को एक साथ पकड़ें। हथेलियों को सिर के पीछे की दीवार की ओर मोड़ें और हथेलियों को अपने से दूर धकेलें। इसी समय, अपने घुटनों को सीधा रखते हुए पैर की उंगलियों को बाहों से दूर ले जाएं।कुछ देर होल्ड करें और फिर सांस छोड़ें और स्ट्रेच को छोड़ दें।

दिमाग को शार्प बनाना है तो इन कामों को करना कभी ना छोड़े, बुढ़ापे में नहीं होगी समस्या

स्टडी में इस बात का खुलासा हो चुका है कि फिजिकल एक्सरसाइज के साथ ही दिमाग को शार्प और एक्टिव बनाने की जरूरत हमेशा होती है। जिससे कि बुढ़ापे में अल्जाइमर और पार्किंसन जैसी दिमाग से जुड़ी परेशानियां परेशान ना करें। अक्सर देखा गया है कि उम्र बढ़ने के साथ याददाश्त कमजोर हो जाती है और रोजमर्रा की चीजें याद रखने में भी मुश्किल होती है। ऐसे में जरूरी है कि दिमाग की भी एक्सरसाइज की जाए। फिजिकल एक्सरसाइज दिमाग में ब्लड का फ्लो अच्छा बना रहता है। वहीं रेगुलर मेंटल और फिजिकल एक्सरसाइज स्ट्रेस लेवल और एंजायटी को भी कम करने में मदद करते हैं। स्ट्रेस

और डिप्रेशन जैसी मेंटल बीमारियां याददाश्त को कमजोर कर देती हैं। इनसे बचने के लिए ब्रेन को एक्टिव रखना जरूरी है। ब्रेन एक्टिव रखने के लिए इन कामों को करना बंद ना करें।

हमेशा कुछ नया सीखते रहें

सीखने की उम्र नहीं होती। इस बात को हमेशा दिमाग में रखें और कुछ ना कुछ नया सीखते रहें। लाइफ में लर्निंग प्रोसेस को बंद कर देने से ब्रेन की एक्टीविटी रुक जाती है और कुछ समय बाद दिमाग ठीक तरीके से काम करना बंद कर देता है।

वीडियो गेम्स खेलें

वीडियो गेम्स बच्चों का फेवरेट होता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि वीडियो गेम्स को खेलने से दिमाग एक्टिवेट होता है। मोबाइल गेम्स या वीडियो गेम्स खेलते रहना दिमाग को फिट रखता है। हालांकि इसे खेलने का टाइम और दिन फिक्स कर लें। जिससे कि वीडियो गेम्स आपकी लाइफ में नुकसान ना करे।

मेंटल एक्सरसाइज वाले गेम खेलें

पजल, चेस, क्रॉसवर्ड और ऐसे काम को दिमाग को बिजी रखते हैं। उन्हें हमेशा करते रहने की कोशिश करनी चाहिए। लिखना और पढ़ना भी मेंटल एक्सरसाइज में ही शामिल है।

फिजिकल एक्सरसाइज को ना भूलें

फिजिकल वर्कआउट केवल शरीर के लिए ही जरूरी नही है बल्कि ये दिमाग की अच्छी सेहत के लिए भी जरूरी है। इसलिए फिजिकल एक्सरसाइज को लाइफ में कतई इग्नोर ना करें।

दिमाग को बूस्ट करने के लिए इन 3 कामों को भी कर सकते हैं।

म्यूजिक सुनें

म्यूजिक मानसिक शांति के लिए बहुत जरूरी है। यहीं नहीं मनचाहा इंस्ट्रूमेंट बजाने से भी मेंटल हेल्थ अच्छी रहती है।

मेडिटेशन करें

रेगुलर मेडिटेशन करने से मेंटल हेल्थ सही रहती है और स्ट्रेस, एंजायटी, डिप्रेशन जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। मेडिटेशन करने से दिमाग शांत, स्थिर रहता है और याददाश्त तेज रहती है।

नींद है जरूरी

रोजाना कम से कम 7–8 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। हर दिन इससे कम नींद दिमाग की सेहत पर बुरा असर डालती है। नींद दिमाग को एक तरह से रिचार्ज करने का काम करती है। इसलिए सोना जरूरी है।

क्या बहुत ज्यादा सोना किसी बीमारी का है लक्षण? जानिए ओवर स्लीपिंग से बचने के ट्रिक्स

नींद, दिनभर की थकान के बाद हर कोई एक आरामदायक नींद की तलाश में रहता है। इससे ना सिर्फ थकान दूर होती है, बल्कि आपका शरीर भी अगले दिन फ्रेश महसूस करता है। हम सभी जानते हैं कि नींद की कमी से कई स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि बहुत ज्यादा सोना भी किसी बीमारी का लक्षण हो सकता है।

इस बीमारी का है लक्षण

जो लोग हाइपरसोमनिया से पीड़ित होते हैं, उनके लिए ज्यादा सोना वास्तव में एक मेडिकल डिसॉर्र है। इस स्थिति के कारण लोगों को पूरे दिन नींद आती है, जो आमतौर पर झपकी लेने से दूर नहीं होती है।हाइपरसोम्निया से पीड़ित लोग अक्सर चिंता, कम एनर्जी और मेमोरी प्रॉब्लम के लक्षणों का अनुभव करते हैं।

बहुत ज्यादा सोना कई स्वास्थ्य सम्स्याओं से जुड़ा है, जैसे–

– टाइप 2 डायबिटीज
– दिल की बीमारी
– मोटापा
– डिप्रेशन
– सिरदर्द

क्या बहुत ज्यादा सोना बीमारी का कारण बनता है?

बहुत से लोगों के मन में ये सवाल रहता है कि क्या बहुत ज्यादा सोना बीमारी का कारण बनता है या ये किसी मौजूदा स्थिति का संकेत है। रिपोर्ट्स की मानें तो अगर आप हमेशा झपकी लेने की तलाश में रहते हैं, तो यह समय है कि आप अपने डॉक्टर की सलाह लें।

ओवर स्लीपिंग से बचने के ट्रिक्स

– ओवर स्लीपिंग से बचने के लिए सोने और जागने का समय निर्धारित करें। यह आपके शरीर को अपना शेड्यूल बनाने में मदद कर सकता है, जिससे आपको बहुत ज्यादा या बहुत कम सोने से बचने में मदद मिलेगी।

– सोने के लिए माहौल सेट करना बेस्ट है। अगर आप बेहतर नींद लेना चाहते हैं, तो यह सुनिश्चित करें कि कमरे में अंधेरा हो। कमरे के तापमान को भी ठीक रखें बहुत गर्म या बहुत ठंडा होने पर अच्छी नींद नहीं आएगी।

– वीकेंड पर सोना कभी–कभी एक छोटी छुट्टी जैसा महसूस हो सकता है। हालांकि, ये आपके स्लीप रूटीन और हेल्थ के लिए हानिकारक हो सकता है।

– आप दिन भर में जिस तरह से खाते हैं वह आपकी नींद में मदद या बाधा डाल सकता है। ऐसे में दिनभर में उन चीजों को खाएं जिससे आपके शरीर को पोषक तत्व मिले। पोषक तत्वों से भरपूर खाने की चीजों को खाने से आपका मस्तिष्क नींद बनाए रखने के लिए जरूरी न्यूरोट्रांसमीटर का उत्पादन करने में मदद करता है।

– व्यायाम मन को तनावमुक्त कर सकता है और आपके मूड को संतुलित कर सकता है, जो आपको शुरुआत में बेहतर नींद लाने में मदद कर सकता है। दिन में व्यायाम करने से आप अपने शरीर को रात में गहरी नींद के लिए तैयार करते हैं।

हंसने से ही नहीं रोने से भी हेल्थ को मिलते हैं गजब के फायदे, मेंटल हेल्थ हो सकती है ठीक

जब आप उदास महसूस करते हैं, तो आपके शरीर में दबी हुई भावनाओं को बाहर निकालने के लिए रोना मदद कर सकता है। हालांकि, बहुत से लोग कमजोर दिखने के डर से अपने आंसुओं को छिपाने की कोशिश करते हैं और बिल्कुल नहीं रोने की कोशिश करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि विज्ञान कहता है कि कभी–कभी रोना सेहत के लिए बुरा नहीं बल्कि अच्छा होता है। रोने से आपके मानसिक स्वास्थ्य को कई फायदे मिल सकते हैं। तो आइए जानते हैं रोने से जुड़े गजब के फायदे–

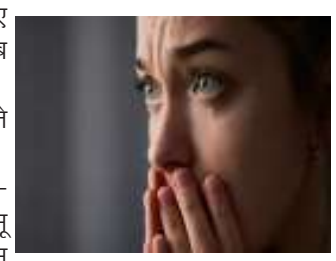

रोने से सेहत को मिलने वाले फायदे

शरीर होगा डिटॉक्स– व्यक्ति में तीन तरह के आंसू उत्पन्न होते हैं– रिफ्लेक्स आंसू, लगातार आने वाले आंसू और भावनात्मक। ये सभी आपके शरीर को डिटॉक्स और शुद्ध करने में मदद करने के उद्देश्य से काम करते हैं। रिफ्लेक्स आंसू वो होते हैं, जो आखों में जमी धूल–कचरे, धुएं को साफ कर देते हैं। लगातार बहने वाले आंसू आपकी आंखों को नमी पहुंचाते हैं और इंफेक्शन से बचाते हैं। भावनात्मक आंसू में तनाव के हॉर्मोन्स और दूसरे टॉक्सिन्स होते हैं। ऐसे में आंसू शरीर से ये सभी चीजें बाहर निकालते हैं।

नहीं होगा इंफेक्शन– जब आप लंबे समय तक नहीं रोते हैं या आंसू नहीं निकल रहे हैं, तो आपकी आंखें ड्राई हो सकती हैं। सूखी आंखें असुविधा और संक्रमण से लड़ने में असमर्थता का कारण बन सकती हैं। ऐसे में रोने से, आपकी आंखों में ज्यादा चिकनाई होगी जिससे परेशानी कम होगी और आपकी आंखों को संक्रमण से मुक्त रखने में मदद मिलेगी।

भावनाएं होंगी संतुलित– रोना अक्सर नकारात्मक भावनाओं से जुड़ा होता है, जैसे उदास महसूस करना, गुस्सा आना, अकेलापन और बहुत कुछ। रिपोर्ट्स की मानें तो इस तरह रोने से भावनात्मक संतुलन बहाल करने में मदद मिल सकती है।

मूड होता है बेहतर– रोने से आपका दर्द तो कम होता ही है, साथ ही मूड भी बेहतर होता है। जब आप रोते हैं तो आपका तनाव स्तर कम हो जाता है, जिससे आपको बेहतर नींद लेने और आपकी इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। जब ये हार्मोन आपके शरीर से निकल जाते हैं, तो आपको रोने के बाद बेहतर महसूस होता है।

दुख से उबरने में मदद– रोना आपको दुख के हर चरण में मदद कर सकता है क्योंकि यह किसी प्रियजन को खोने को स्वीकार करने में मदद करता है। जबकि इस प्रक्रिया के दौरान रोना हर किसी के लिए काम नहीं करता है। रोने से आपको इस दुख से उबरने में मदद मिलती है।

संक्षिप्त

'आयकर राहत और जीएसटी सुधार से अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति', बोले केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 2025–26 के बजट में दी गई आयकर राहत और जीएसटी सुधार से देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। भाजपा पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि यह कदम आम लोगों के जीवन को आसान बनाने के साथ–साथ विकास की दिशा में बड़ा बदलाव साबित होंगे। वैष्णव ने कहा कि 2014 से पहले कर प्रणाली बेहद जटिल थी और वस्तुओं पर कई स्तरों पर टैक्स लगता था। उन्होंने जीएसटी से पहले के दौर के उदाहरण दिए, जब माल से लदे ट्रकों को जरूरी मंजूरी के लिए राज्य की सीमाओं पर लंबी कतारें लगानी पड़ती थीं। मंत्री ने कहा कि अब यह प्रक्रिया सहज है। जीएसटी ने इस प्रणाली को सरल बनाया है। जीएसटी 2017 में लागू किया गया था। अगली पीढ़ी के सुधारों के तहत सभी दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी कम कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार से भारत की अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा मिलेगा। अर्थशास्त्र के नजरिए से देखें तो हमारी जीडीपी फिलहाल 3.30 लाख करोड़ रुपये है। इसमें 2.02 लाख करोड़ रुपये हमारी खपत है। अगर हमारी खपत 10 फीसदी भी बढ़ जाती है तो भी 20 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त खपत होगी, जो जीडीपी में योगदान देगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या जीएसटी सुधारों का भारतीय वस्तुओं पर ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ से कोई सीधा संबंध है। वैष्णव ने कहा कि जीएसटी सुधारों की तैयारी लगभग डेढ़ साल पहले अमेरिकी चुनावों से पहले शुरू हो गई थी। वैष्णव ने भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि डेढ़ साल से चल रही जीएसटी सुधार प्रक्रिया को अब अंतिम रूप दे दिया गया है। हर कदम पर प्रधानमंत्री मोदी ने हमारा मार्गदर्शन किया है। अगली पीढ़ी के इस सुधार में बाहरी कारकों की कोई भूमिका नहीं है।

सभी के लिए समान पहुंच, 20 श्रेणियों के उत्पादों पर लागू होंगे दिव्यांगजन सुलभता मानक

नई दिल्ली। सरकार ने दिव्यांग लोगों के लिए रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं को सुलभ बनाने के लिए मसौदा मानक जारी किए। इन मानकों में सार्वभौमिक डिजाइन, ब्रेल, स्पर्शनीय विशेषताएं और स्पष्ट लेबलिंग जैसी अनिवार्य शर्तें शामिल की गई हैं, ताकि दिव्यांगजन इन उत्पादों तक बिना किसी बाधा के पहुंच बना सकें। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (क्म्व्व्) ने यह ड्राफ्ट ढांचा तैयार किया है। इसे 2016 के दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत लाया गया है। यह ढांचा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त श्पीओयूआरश् दृष्टिकोण पर आधारित है। इसके तहत हर उत्पाद का अनुभव योग्य, संचालित करने योग्य, समझने योग्य और मजबूत एवं टिकाऊ होना जरूरी है। इसमें कहा गया है कि हर उत्पाद का डिजाइन समान उपयोग, सरल और सहज संचालन, त्रुटियों को सहने योग्य, न्यूनतम शारीरिक प्रयास की मांग करने वाला और व्हीलचेयर या मोबिलिटी एड उपयोगकर्ताओं के लिए पर्याप्त जगह प्रदान करने वाला होना चाहिए। ड्राफ्ट में 20 प्रमुख श्रेणियों के उत्पादों के लिए नियम तय किए गए हैं। इनमें रसोई के बर्तन, पैकेज्ड खाद्य पदार्थ, ग्रूमिंग आइटम्स, एडैप्टिव कपड़े, फर्नीचर, बच्चों की देखभाल से जुड़ी चीजें, मेडिकल सप्लाई, लिफ्ट और सेल्फ–सर्विस कियोस्क जैसे उत्पाद शामिल हैं। मानकों में अब डिजिटल उत्पादों और स्मार्ट तकनीकों को भी शामिल किया गया है। इसमें कहा गया है कि सभी डिजिटल घटकों स्क्रीन रीडर, वॉयस कंट्रोल और वैकल्पिक इनपुट डिवाइस के साथ संगत होने चाहिए, ताकि अलग–अलग क्षमताओं वाले लोग आसानी से उनका उपयोग कर सकें। निर्माताओं को प्रोत्साहित किया गया है कि वे अपने उत्पादों में स्मार्ट और सहायक तकनीकें जोड़ें, जैसे वॉयस–ऑपरेटेड उपकरण, क्यूआर कोड के जरिए ऑडिटरी गाइडेंस और एक्सेसिबल डिजिटल इंटरफेस। ड्राफ्ट में जोर दिया गया है कि एक्सेसिबिलिटी फीचर्स जोड़ने से उत्पादों की लागत बहुत अधिक नहीं बढ़नी चाहिए। इसके लिए सरकार ने सब्सिडी, टैक्स छूट और समावेशी वितरण चौनलों जैसे उपाय सुझाए हैं, ताकि सुलभ उत्पाद किफायती और व्यापक रूप से उपलब्ध हो सकें।

जीएसटी सुधारों से किसानों की लागत घटेगी और उत्पादन बढ़ेगा, कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने किया दावा

नई दिल्ली। जीएसटी सुधारों से केंद्र का लक्ष्य कृषि उत्पादन की लागत को कम करना और समग्र उत्पादन में वृद्धि करना है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को सीधे लाभ होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार जीएसटी सुधारों के माध्यम से आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। जीएसटी परिषद ने हानिकारक वस्तुओं को छोड़कर सभी उत्पादों को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दर के तहत लाने को हरी झंडी दे दी है। कई जरूरी वस्तुओं पर टैक्स शून्य करने का निर्णय लिया गया। ये बदलाव 22 सितंबर को नवरात्र के पहले दिन से लागू होंगे। उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की भूमिका को भी रेखांकित किया। चौहान ने कहा कि महिला स्वंय सहायता समूह हस्तशिल्प, हस्तनिर्मित वस्तुओं, चमड़े के सामान, दूध और दूध से बने उत्पादों के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम कर रहे हैं। इससे कई बहनें लखपति दीदी बन गई हैं। इस बीच भारतीय चावल निर्यात महासंघ (आईआरईएफ) ने कहा कि जीएसटी सुधार से बढ़ी हुई मांग के कारण किसानों को मदद मिलेगी। आईआरईएफ के उपाध्यक्ष देव गर्ग ने कहा कि जीएसटी सुधार से भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में सकारात्मक धारणा बढ़ी है। आगामी सीजन में बासमती चावल और अन्य प्रीमियम गैर–बासमती चावल किस्मों की मांग बढ़ने की उम्मीद है, जो किसानों के लिए अच्छी खबर है। उन्होंने आगे कहा कि अप्रत्यक्ष करों के पुनर्गठन से उपभोक्ता मांग में वृद्धि होगी, विशेष रूप से आधुनिक रिटेल और उच्च मूल्य वाली वस्तुओं में। गर्ग ने यह भी बताया कि जीएसटी पंजीकरण की स्वीकृति अवधि अब घटाकर सिर्फ तीन दिन कर दी गई है।

अभ्यास सत्र के दौरान बिना प्रायोजक की जर्सी पहने नजर आए भारतीय खिलाड़ी, गिल ने किया बुमराह का सामना

दुबई। भारतीय टीम ने दुबई पहुंचने के साथ ही एशिया कप के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। भारत ने शुक्रवार को आईसीसी अकादमी ओवल में पहले नेट सत्र में हिस्सा लिया। इस दौरान भारतीय खिलाड़ी बिना प्रायोजक की जर्सी पहने नजर आए जिससे यह संकेत मिल रहे हैं कि टीम एशिया कप में बिना प्रायोजक वाली जर्सी पहनकर खेलने उतरेगी। ड्रीम–11 से हाल ही में मुख्य प्रायोजक का करार टूटने के कारण खिलाड़ी बिना प्रायोजक वाली जर्सी पहनकर उतरे।

ड्रीम–11 ने बीसीसीआई के साथ तोड़ा था करार

ड्रीम–11 हाल ही में स्पॉन्सरशिप से पीछे हट गया था और उसने बीसीसीआई के साथ अपने करार को तोड़ लिया था। इंग्लैंड दौरे तक टीम इंडिया की जर्सी पर ड्रीम–11 का लोगो दिखाई देता था, लेकिन हाल ही में पारित श्ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025श के कारण कंपनी को अपने संचालन में मुश्किलों का सामना करना पड़ा और उसने अनुबंध से बाहर निकलने का फैसला किया।

सैमसन ने जितेश पर दिया ध्यान

अभ्यास सत्र के दौरान गिल ने नेट पर लंबा समय बिताया और इस दौरान उन्होंने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंदों का भी सामना किया। वहीं, संजू सैमसन ने उमस भरी गर्मी में 30 मिनट तक बल्लेबाजी अभ्यास किया। सैमसन प्लेइंग–11 में शामिल होंगे या नहीं इसे लेकर फैसला दिलचस्प रहने वाला है। विकेटकीपर के तौर पर उनकी प्रतिस्पर्धा जितेश शर्मा से है। जितेश ने अभ्यास सत्र के दौरान विकेटकीपिंग अभ्यास किया और इस दौरान सैमसन की नजर उन पर रही।

अभिषेक–तिलक ने भी किया अभ्यास

नेट सत्र से पहले भारतीय खिलाड़ियों ने वार्मअप किया।

गिल और बुमराह के बीच नेट्स पर प्रतिस्पर्धा देखने लायक थी। गिल के साथ कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी बल्लेबाजी अभ्यास किया। सूर्यकुमार हर्निया की सर्जरी के बाद मैदान पर वापसी कर रहे हैं। इन दोनों बल्लेबाजों से पहले जितेश, अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने भी बल्लेबाजी की। अभिषेक ने गेंदबाजी अभ्यास भी किया। वहीं, टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने शिवम दुबे के रन अप और एक्शन पर करीब से निगरानी रखी।

अर्शदीप–राणा ने फिटनेस ड्रिल पर बिताया समय

बुमराह और हार्दिक पांड्या के अलावा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा ने भी गेंदबाजी के अलावा फिटनेस ड्रिल पर अधिक समय बिताया। भारत को एशिया कप में अपना पहला मैच 10 सितंबर को मेजबान यूएई के खिलाफ खेलना है। 14 सितंबर को टीम पाकिस्तान से भिड़ेगी, जबकि 19 सितंबर को मुकाबला ओमान के साथ होगा। 20 सितंबर से प्लेऑफ खेले जाने हैं। भारत इस टूर्नामेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगी।

श्रेयस अय्यर संभालेंगे भारतीय ए टीम की कमान, ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए टीम घोषित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को भारतीय ए टीम का एलान कर दिया। इस टीम की कमान स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को उपकप्तान बनाया गया है। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारतीय ए टीम दो चार दिवसीय मुकाबले खेलेगी। पहला मैच 16 सितंबर से खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 23 सितंबर से शुरू होगा। दोनों मुकाबले सुबह 9रू30 बजे से लखनऊ में खेले जाएंगे।

केएल राहुल और मोहम्मद सिराज भी जुड़ेंगे

पहला मुकाबला समाप्त होने के बाद दूसरे चार दिवसीय मैच से पहले भारतीय ए स्क्वॉड में केएल राहुल और मोहम्मद भी शामिल होंगे। दोनों पूर्व में चुने गए स्क्वॉड में किन्हीं दो खिलाड़ियों की जगह टीम का हिस्सा बनेंगे। बता दें कि, केएल और सिराज नौ सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप 2025 के लिए चुने गए स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं।

एशिया कप टीम में हुई थी श्रेयस की अनदेखी

श्रेयस अय्यर भी एशिया कप टीम का हिस्सा नहीं हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शुरू हो रही दो चार दिवसीय मैचों की सीरीज में भारतीय ए टीम का नेतृत्व करते देखा जाएगा। एशिया कप टीम में श्रेयस की अनदेखी के बाद से सवाल उठ रहे थे। बेहतर फॉर्म के बावजूद वह टीम में जगह नहीं बना पाए। आईपीएल 2025 में अय्यर ने बल्ले से कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 17 पारियों में 604 रन बनाए, उनका औसत 50.33 और स्ट्राइक रेट 175. 07 रहा। इस दौरान उनके बल्ले से छह अर्धशतक निकले। पारी को नियंत्रित करने की उनकी क्षमता भी शानदार रही, जिसका अंदाजा 79.1: कंट्रोल रेट से लगाया जा सकता है।

तीन वनडे मैचों की सीरीज भी खेली जाएगी

दो चार दिवसीय मुकाबलों के बाद भारतीय ए और ऑस्ट्रेलिया ए की टीमों के बीच कानपुर में तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला मुकाबला 30 सितंबर को होगा जबकि दूसरा मैच 3 अक्तूबर को खेला जाएगा। वहीं, पांच अक्तूबर को दोनों टीमें सीरीज के आखिरी मुकाबले के लिए आमने–सामने होंगी। इसके लिए बीसीसीआई अलग टीम घोषित करेगी।

दो चार दिवसीय मैचों के लिए भारतीय ए टीमरू श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, एन जगदीसन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (उपकप्तान और विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, हर्ष दुबे, आयुष बडोनी, नीतीश कुमार रेड्डी, तनुष कोटियन, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, खलील अहमद, मानव सुथार, यश ठाकुर।

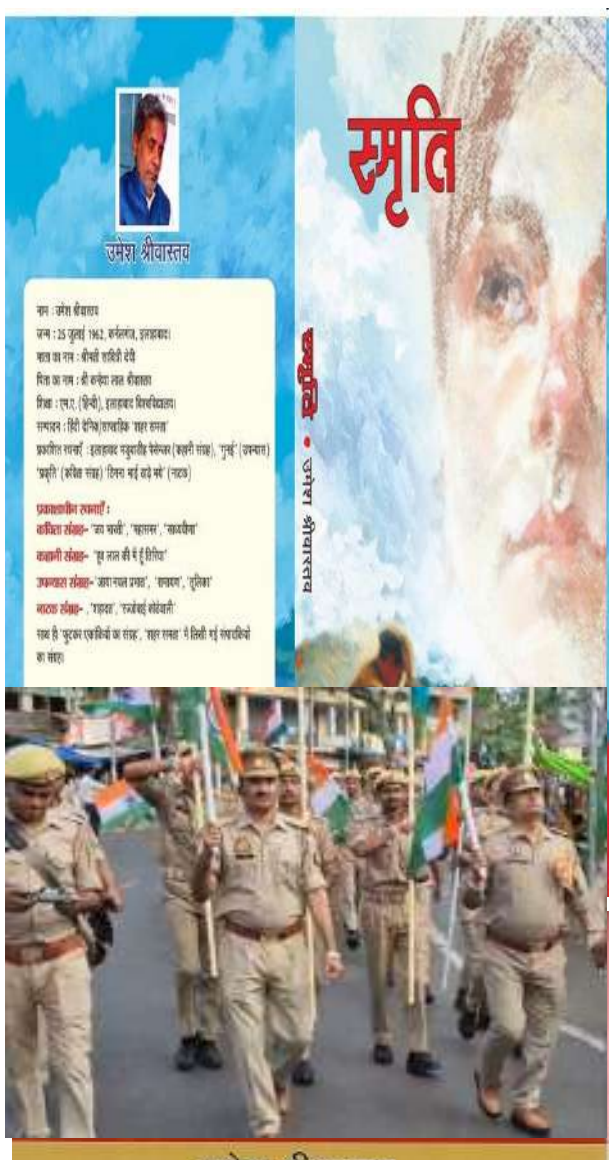

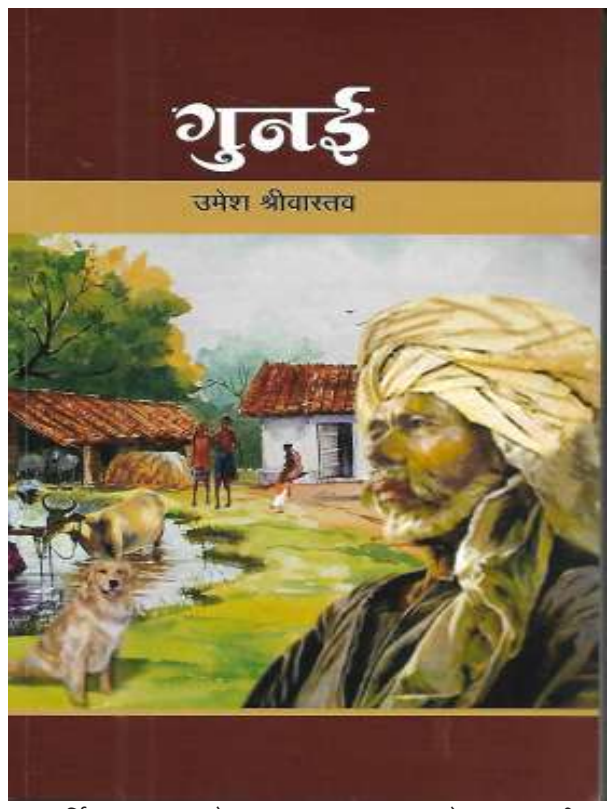

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

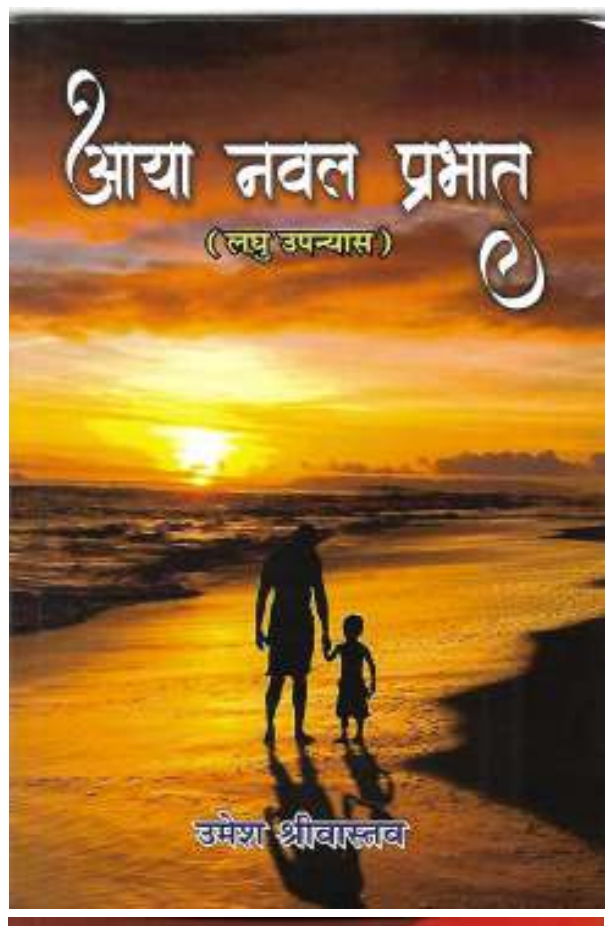

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

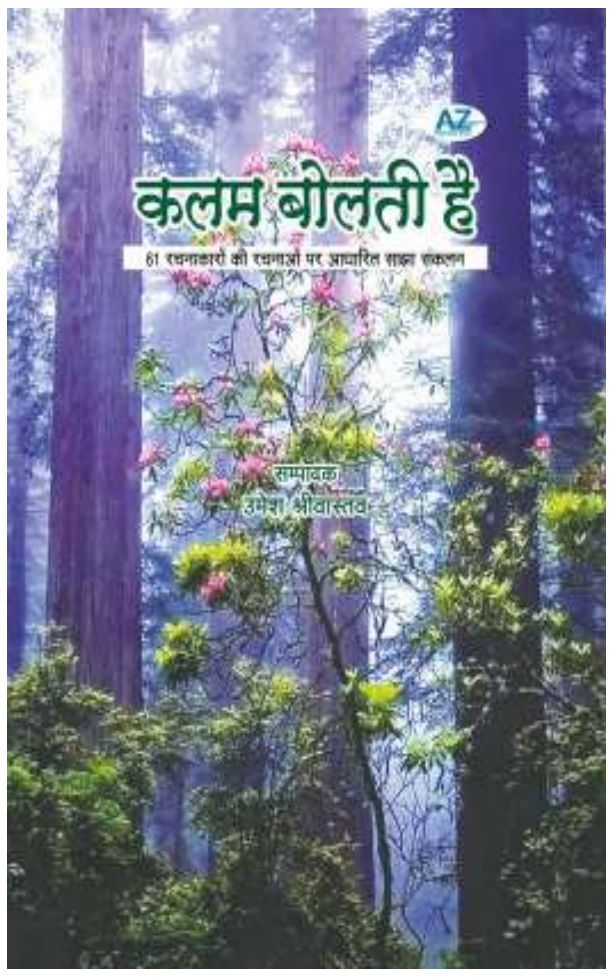

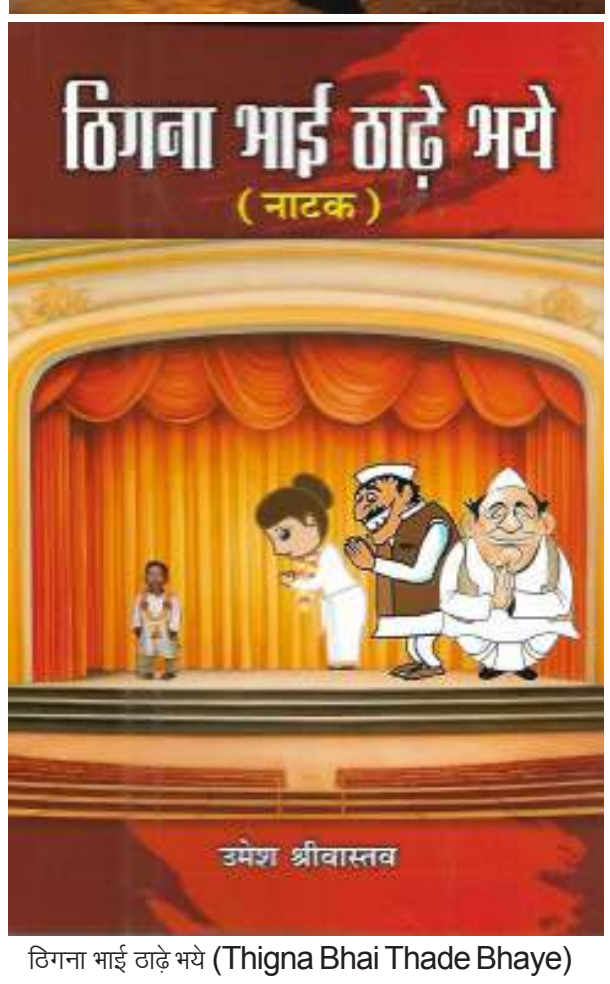

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

बलूचों की मार से पतलून छोड़कर भागी मुनीर की सेना, 6 हजार सैनिकों ने ड्यूटी से किया इनकार, उतर गए टैंक

पाकिस्तान का वो सूबा जो न केवल पाकिस्तान के लिए बल्कि उसके फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के लिए भी सिरदर्द बना हुआ है। बलूचिस्तान में लगातार पाकिस्तान और पाकिस्तानी सेना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन होते आ रहे हैं। लेकिन हाल ही के दिनों में कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल हो रहे हैं। उन वीडियोज को बलूचिस्तान के नेता मीर यार बलोच ने भी शेयर किया है। उन्होंने कहा है कि किस तरीके से पाकिस्तानी सेना अपना बोरिया बिस्तर लेकर भाग रहे हैं। रिपबल्किन ऑफ बलूचिस्तान में पाकिस्तान की सेना ने टैंक उतार दिए हैं। बलूचिस्तान फ्रीडम फाइटर्स की दलेरी देख आसिम मुनीर इतना बौखला गए हैं कि उन्होंने पाकिस्तानी सेना को बलूचिस्तान में आजादी की चिंगारी बुझाने के लिए भेज दिया। लेकिन उसके बाद पाकिस्तानी सैनिकों के साथ जो हुआ उसे देखकर भारत खुश हो जाएगा। ये तस्वीरें अमेरिका को हिलाकर रख देंगी। अमेरिका इसलिए टेंशन में आ जाएगा क्योंकि आसिम मुनीर हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप को बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों का लालच देकर आए हैं। लेकिन ये नहीं बताकर आए कि जिस बलूचिस्तान में पाकिस्तान की सेना और चीन तक नहीं टिक पाया। वहां अमेरिका क्या ही कर लेगा। आसिम मुनीर अमेरिका से बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को आतंकी संगठन घोषित करवा आए। लेकिन अब इसकी कीमत पाकिस्तान के सैनिकों को चुकानी पड़ रही है। बलूचों ने पाकिस्तानी सैनिकों की ऐसी हालत की है कि वो कपड़े छोड़कर भाग रहे हैं। बलूच एक्टिविस्ट मीर यार बलोच ने दावा किया है कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के 6 हजार से ज्यादा सैनिकों ने बलूचिस्तान में ड्यूटी करने से मना कर दिया। ये हजारों सैनिक बलूचिस्तान से पोस्टिंग और ट्रांसफर चाहते हैं। इसे से घबराकर आसिम मुनीर ने बलूचिस्तान की सड़कों पर टैंक उतार दिए हैं। लेकिन इससे बलूचिस्तान में आजादी की जंग और भी ज्यादा भड़क जाएगी। विदेश में रहने वाले एक पाकिस्तानी पत्रकार ताहा सिद्दीकी ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी, बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट और बलूच रिपब्लिकन आर्मी ने पाकिस्तानी सेना पर भयंकर हमले शुरू कर दिए हैं। पिछले 9 महीनों में 200 से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिक बलूचों के हमलों में मारे गए हैं। हालांकि असली आंकड़ा 500 से ज्यादा बताया जा रहा है। बलूचों के साथ साथ पश्तून भी अब पाकिस्तानी सेना पर हमले कर रहे हैं। कुछ दिन पहले टीटीपी के लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना की गाड़ी को कब्जे में ले लिया। उसके सामने बैठकर चाय पीने लगे। दरअसल, 1990 के दशक में तेल को लेकर जो जंग मिडिल ईस्ट में शुरू हुई थी वैसी ही जंग इस बार बलूचिस्तान में शुरू हो गई है। लेकिन इस बार लड़ाई तेल की नहीं बल्कि रेयर अर्थ एलिमेंट की है। 20वीं शताब्दी तेल के नाम थी लेकिन कहा जा रहा है कि 21वीं शताब्दी रेयर अर्थ मिनिरल्स के नाम होगी। बलूचिस्तान इस वक्त रेयर अर्थ एलिमेंट के ढेर पर बैठा है। इस खजाने में अमेरिका को भी हिस्सा चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

सूडान में भूस्खलन में लगभग 200 बच्चों ने अपनी जान गंवाई : सहायता समूह

सूडान के पश्चिमी क्षेत्र दारफुर में गत रविवार को हुए भूस्खलन में लगभग 200 बच्चों की जान चली गई और क्षेत्र में बचाव अभियान अब भी जारी है। एक प्रमुख सहायता समूह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मर्राह पर्वतों के तरासिन गांव में हुए इस भूस्खलन में 1,000 से अधिक लोगों के मारे जाने की

आशंका है। 'सेव द चिल्ड्रन' संस्था ने बताया कि 40 बच्चों समेत 150 लोगों को बचाया गया है और उनका उपचार किया जा रहा है। 'सूडान लिबरेशन मूवमेंट आर्मी' के प्रवक्ता मोहम्मद अब्देल–रहमान अल–नायर ने बताया कि भूस्खलन में एक हजार से अधिक लोग मारे गए हैं।

ट्रंप के सलाहकार नवारो का एक और बेतुका बयान

अमेरिकी राष्ट्रपति के व्यापार और विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने एक बार फिर बेतुका बयान दिया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत द्वारा लगाए गए सबसे ऊंचे टैरिफ से अमेरिकी नौकरियां खत्म हो रही हैं। भारत रूसी तेल पूरी तरह से लाभ कमाने के लिए खरीदता है। इसी राजस्व से रूस अपने युद्ध की मशीन चला रहा है। यूक्रेन और रूस के लोग मारे जा रहे हैं। अमेरिकी करदाताओं को अधिक भुगतान करना पड़ता है। भारत सच/झूठ को बर्दाश्त नहीं कर सकता।

श्रीलंका में 10 करोड़ के कुश संग भारतीय नागरिक गिरफ्तार

श्रीलंका के कोलंबो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक भारतीय नागरिक को शुक्रवार को 10 करोड़ के 10.75 किग्राकुश (भांग की अत्यंत नशीली प्रजाति) के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार 43 वर्षीय व्यक्ति नई दिल्ली में जूते की दुकान में काम करता है। सीमा शुल्क विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्होंने अवैध मादक पदार्थों की खेप का पता लगाने के लिए ग्रीन चौनल में स्थापित स्कैनिंग मशीनों का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने बताया कि उसने कुश की खेप बैंकॉक, थाईलैंड से खरीदी थी।

पाकिस्तान–चीन ने शुरू किया सीपीईसी का दूसरा चरण

पाकिस्तान और चीन ने विवादित चीन–पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर (सीपीईसी) के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत की और 21 समझौतों व संयुक्त उपक्रमों पर हस्ताक्षर किए। इनकी कुल कीमत करीब 8.5 अरब डॉलर है। ये समझौते बृहस्पतिवार को बीजिंग में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग के बीच हुई बैठक और निवेशक सम्मेलन के दौरान हुए। भारत लंबे समय से सीपीईसी का विरोध करता आया है, क्योंकि यह परियोजना पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरती है।

भारत के साथ रिश्ते पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर दिया चौंकाने वाला बयान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ रिश्ते को लेकर बयान दिया है। टैरिफ वार और रूस से तेल खरीद को लेकर बढ़े तनाव के बीच ट्रंप ने कहा, भारत–अमेरिका के बीच "विशेष संबंध" हैं और चिंतित होने की जरूरत नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्महान नेताश बताते हुए कहा कि वे हमेशा उनके दोस्त रहेंगे। ट्रंप ने हालांकि भारत द्वारा रूस से अधिक तेल खरीदने पर निराशा जताई और 50: टैरिफ लगाने की बात को भी रेखांकित किया।

गूगल–एपल पर जुर्माने से भड़के ट्रंप, धारा 301 के तहत कार्यवाही की चेतावनी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कर गूगल पर जुर्माने को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, यूरोप ने आज एक और महान अमेरिकी कंपनी, गूगल पर 3.5 अरब डॉलर का जुर्माना लगाया है। वह पैसा छीन लिया गया है जो अमेरिकी निवेश और रोज़गार के लिए जाता। यह कई अन्य जुर्मानों और करों के अलावा है जो गूगल और अन्य अमेरिकी टेक कंपनियों पर लगाए गए हैं। यह कार्रवाई बहुत ही अनुचित है। अमेरिकी करदाता इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे! जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, मेरा प्रशासन इन भेदभावपूर्ण कार्रवाइयों को बर्दाश्त नहीं करेगा। उदाहरण के लिए, एपल को 17 अरब डॉलर का जुर्माना भरने के लिए मजबूर किया गया, जो मेरे विचार से, नहीं लगना चाहिए था। एपल को अपना पैसा वापस मिलना चाहिए! हम शानदार और अभूतपूर्व अमेरिकी प्रतिभा के साथ ऐसा नहीं होने दे सकते और अगर ऐसा हुआ, तो मुझे इन करदाता अमेरिकी कंपनियों पर लगाए जा रहे अनुचित जुर्मानों को रद्द करने के लिए धारा 301 के तहत कार्यवाही शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने की आरोपी महिला के खिलाफ मामला वापस लिया

अमेरिकी न्याय विभाग ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने की आरोपी महिला के खिलाफ मामला वापस ले लिया है। अमेरिकी अटॉर्नी जीनिन पिरो के कार्यालय द्वारा शुक्रवार को जिला अदालत में नथाली रोज जोन्स के मामले को खारिज करने के अनुरोध से पहले एक ग्रैंड जूरी ने उन पर अभियोग लगाने से इनकार कर दिया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

दोस्ती का हाथ बढ़ाते ही चीन ने भारत को दे दिया धोखा, पाकिस्तान संग शुरू किया ये काम

पूरी दुनिया में इस वक्त केवल दो चीजों की चर्चा हो रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ की और दूसरी चीन के शक्ति प्रदर्शन की। चीन इन दिनों भू राजनीति का केंद्र बन चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बात को अनदेखा कर रहे हैं कि चीन कैसे दुनिया में अपना स्थान मजबूत कर रहा है। आज की तारीख में चीन तक भारत पहुंच चुका है। रूस के साथ साझेदारी और पक्की हो चुकी है। अब उत्तर कोरिया की भी एंट्री हो चुकी है। जब ऐसे देश चीन के करीब आ रहे हैं तो ऐसे में अमेरिका के लिए खतरा कम नहीं बड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को ये समझना चाहिए कि जिस वक्त पूरी दुनिया को अफरा तफरी में उलझाने में वो व्यस्त हैं। तब सब चीन के दरवाजे पर पहुंच रहे हैं। दोस्ती की पीठ पर दगाबाजी का खंजर भोंकने का चीन का पुराना इतिहास रहा है। जब जब भारत ने चीन पर भरोसा किया है। उसने भारत को दगा ही दिया है। अब कुछ ऐसी ही खबर चीन से निकलकर सामने आ रही है। भारत चीन के बीच संबंधों की खाई अब कम होती नजर आ रही थी। लेकिन इसी बीच चीन के सदाबहार मित्र पाकिस्तान के साथ परियोजनाओं की अगली कड़ी की खबर ने भारत के कन खड़े कर दिए हैं। जिस सीपीईसी प्रोजेक्ट को लेकर बड़े स्तर पर पिछले कुछ समय में पाकिस्तान टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी। वो प्रोजेक्ट अब फिर से सांसे भरना शुरू कर चुका है। सीपीईसी प्रोजेक्ट अब फिर एक बार अस्तित्व में आएगा। इस बार ये प्रोजेक्ट सीपीईसी 2.0 के नाम से आ रहा है। अमेरिका को इस बात से टेंशन हो या न हो। लेकिन ये भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है। खबर ये है कि पाकिस्तान के साथ चीन सीपीईसी प्रोजेक्ट के पुनर्थान के लिए फिर से काम करने वाला है। जिसे सीपीईसी के 2.0 वर्जन के नाम से जाना जाएगा। इस बार चीन पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर से पांच और कॉरिडोर को जोड़ने का फैसला लिया गया है। जो अपने आप में खतरे की घंटी है। अमेरिका को ये बात दिखे न दिखे लेकिन भारत को इस बात से बहुत फिक्र होनी चाहिए क्योंकि चीन और पाकिस्तान एक दूसरे के करीब आ रहे हैं। वो भी ऐसे वक्त पर जब भारत भी चीन के करीब जा रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया। टैरिफ के तुरंत बाद भारत ने चीन के साथ संबंधों को सुधारने का फैसला किया। भारत अब चीन के करीब जा रहा है। दोनों देश एक दूसरे के साथ व्यापारिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए काम पर लग चुके हैं। लेकिन इन सब के बीच दोनों देशों के संबंधों का सबसे बड़ा कांटा बीआरआई रहा है। बीआरआई से ज्यादा भारत को टेंशन उस प्रोजेक्ट की है जो पाकिस्तान में चीन शुरू कर चुका था। वो प्रोजेक्ट कोई और नहीं बल्कि बीआरआई का ही हिस्सा सीपीईसी प्रोजेक्ट था।

नई राजनीतिक व्यवस्था बनाने के लिए खालिस्तानी समूहों को कनाडा से मिल रही फंडिंग, रिपोर्ट में अहम दावा

ओटावा। कनाडा के वित्त विभाग ने एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें खुलासा किया गया है कि खालिस्तानी चरमपंथी समूहों सहित कई आतंकवादी संगठनों को राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसा को बढ़ावा देने के लिए देश में वित्तीय मदद मिल रही है। कनाडा सरकार की श्2025 के धन शोधन और आतंकवादी वित्तपोषण जोखिमों के आकलनश रिपोर्ट में बब्बर खालसा

इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन सहित कुछ खालिस्तानी समूहों को राजनीति से प्रेरित हिंसक उग्रवाद (पीएमवीई) की श्रेणी में रखा गया है। रिपोर्ट में खालिस्तानी समूहों और अन्य आतंकी संगठनों पर अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गैर–लाभकारी और धर्मार्थ क्षेत्रों सहित विभिन्न वित्तपोषण नेटवर्क का गलत फायदा उठाने का संदेह जताया गया है।

हमास और हिजबुल्ला को भी कनाडा में हो रही फंडिंग

रिपोर्ट में श्राजनीति से प्रेरित हिंसक उग्रवादश को श्नई राजनीतिक व्यवस्था या मौजूदा व्यवस्था के भीतर नए ढांचे और मानदंड स्थापित करने के लिए हिंसा के उपयोगश के रूप में परिभाषित किया गया है। इन चरमपंथी समूहों को कनाडाई कानून के तहत आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है, जिसमें हमास और हिजबुल्ला भी शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह के उग्रवाद में धार्मिक तत्व शामिल हो सकते हैं, लेकिन यह मुख्य रूप से राजनीतिक आत्मनिर्णय या प्रतिनिधित्व से जुड़ा मामला है।

बैंकिंग, क्रिप्टोकरेंसी का गलत फायदा उठाते हैं आतंकी संगठन

रिपोर्ट में कहा गया है, श्खुफिया जांच एजेंसियों को पता चला है कि कनाडा में हमास, हिजबुल्ला और खालिस्तानी हिंसक चरमपंथी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन आदि संगठनों को वित्तीय मिल रही है। पंजाब में एक स्वतंत्र राज्य स्थापित करने के लिए हिंसक तरीकों की वकालत करने वाले खालिस्तानी चरमपंथी तत्वों द्वारा खास तौर पर इसी तरह के माध्यमों से धन जुटाने का संदेह है। ये संगठन धन सेवा व्यवसाय, बैंकिंग क्षेत्र, क्रिप्टोकरेंसी, सरकारी प्रायोजन, और धर्मार्थ एवं गैर–लाभकारी संगठनों का गलत फायदा उठाते हैं।

इरफान अली को दोबारा गुयाना का राष्ट्रपति चुना गया, क्या है उनका भारत कनेक्शन?

मोहम्मद इरफ़ान अली गुयाना के राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने गए हैं। सत्तारूढ़ पीपुल्स प्रोग्रेसिव पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख, 45 वर्षीय अली पहली बार 2020 में सत्ता में आए थे। उनकी पीपीपी को अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से दोगुने से भी ज़्यादा वोट मिले और ऐसा लगता है कि तब से उसका वोट प्रतिशत भी बढ़ा है।

ट्रंप ने माना रूस यूक्रेन युद्ध रोकने में रहे असफल, कहा– नहीं कर पाया अपना वादा पूरा

वॉशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से ज्यादा समय से संघर्ष चल रहा है और अभी भी इसके थमने के फिलहाल कोई आसार नहीं है। कारण है कि पिछले दिनों इस संघर्ष को खत्म करने के सभी प्रयास विफल होते दिख रहे है। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि वह अपने एक बड़े चुनावी वादे को पूरा नहीं कर सके। ट्रंप ने माना कि वह रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रोकने में नाकाम रहे हैं, जिसे उन्होंने अपने कार्यकाल का सबसे कठिन संघर्ष बताया। ट्रंप ने ये बात व्हाइट हाउस के नए नवीनीकरण के बाद आयोजित पहले आधिकारिक डिनर पर कही। इस दौरान ट्रंप ने ये भी दावा किया कि उन्होंने दुनिया के कई पुराने युद्धों को खत्म किया है, लेकिन रूस–यूक्रेन युद्ध को रोकना सबसे बड़ी चुनौती बन गया। इस डिनर में अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य और अन्य वरिष्ठ मेहमान मौजूद थे।

पुतिन के साथ अच्छी बातचीत, लेकिन...

ट्रंप ने आगे कहा कि मैंने सोचा था रूस–यूक्रेन युद्ध को रोकना सबसे आसान होगा, क्योंकि मेरी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अच्छे संबध है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह सबसे मुश्किल निकला। उन्होंने यह भी कहा कि उनके कार्यकाल में कि एक युद्ध जो 31 साल से चल रहा था, 2 घंटे में खत्म हुआ, दूसरा 35 साल, और तीसरा 37 साल पुराना संघर्ष भी उन्होंने सुलझा लिया।

चुनावी वादा 24 घंटे में युद्ध खत्म करने का दावा

बता दें कि ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि वे सत्ता में आते ही 24 घंटे में रूस–यूक्रेन युद्ध खत्म कर देंगे, लेकिन अब तक कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है। अगस्त में हुई अलास्का शिखर बैठक को उन्होंने उत्पादक बताया, लेकिन कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ।

ट्रंप का भरोसा बरकरार

इस दौरान ट्रंप ने ये भी कहा कि लोगों ने कहा था कि ये युद्ध खत्म नहीं हो सकते, लेकिन मैंने उन्हें खत्म किया। रूस और यूक्रेन वाला कठिन है, पर हम इसे भी हल करेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले गुरुवार को ट्रंप ने अपने युद्ध रोकने के पहले के दावे में बदलाव करते हुए कहा कि उन्होंने सात नहीं, तीन युद्ध रोके हैं। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये कौन–कौन से युद्ध थे।

एपस्टीन के खिलाफ एफबीआई के मुखबिर थे ट्रंप, अमेरिका की प्रतिनिधि सभा के स्पीकर का बड़ा बयान

वॉशिंगटन। अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन ने दावा किया है कि जेफ्री एपस्टीन मामले में राष्ट्रपति ट्रंप एफबीआई के मुखबिर थे। जॉनसन का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ट्रंप ने कहा है कि एपस्टीन मामला डेमोक्रेटिक पार्टी का धोखा है। दरअसल अमेरिका में एपस्टीन मामले से जुड़ीं फाइलों को सार्वजनिक करने की मांग लगातार उठ रही है। इसके चलते सरकार पर दबाव बढ़ रहा है। इस मामले को लेकर जब अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि श्वे (ट्रंप) ये नहीं कह रहे कि एपस्टीन ने छल किया, यह बहुत बड़ा गुनाह है। जब उन्होंने एपस्टीन के खिलाफ अफवाहें सुनीं तो ट्रंप ने अपने मार ए लागो रिजॉर्ट से जेफ्री एपस्टीन को निकाल दिया था। एपस्टीन के खिलाफ ट्रंप एफबीआई के मुखबिर भी रहे। राष्ट्रपति की पीड़ित महिलाओं के प्रति गहरी संवेदना है। हालांकि अभी तक व्हाइट हाउस ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने एपस्टीन मामले पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि श्ये पूरा छल डेमोक्रेटिक पार्टी का है क्योंकि वे लोगों का ध्यान हमारी सरकार की सफलता से हटाकर इस अप्रांसगिक मामले को उठा रहे हैं। जेफ्री एपस्टीन एक बदनाम यौन तस्कर था, जिस पर नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण करने का आरोप है। साल 2019 में एपस्टीन को यौन तस्कर के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और जेल में ही कथित तौर पर उसने आत्महत्या कर ली थी। जेफ्री एपस्टीन के ग्राहकों की लिस्ट में राजनीति, उद्योग और व्यापार जैसे विभिन्न क्षेत्रों के बहुत ताकतवर और संपन्न लोगों के नाम हैं। हालांकि अमेरिकी न्याय विभाग और संघीय जांच ब्यूरो (थ्ठप्) ने कहा है कि एपस्टीन के पास कोई ऐसी सूची नहीं थी जिसमें बड़े लोगों के नाम शामिल हों। उसने यह भी कहा कि एपस्टीन ने आत्महत्या की थी, जबकि संदेह जाहिर किया जा रहा है कि एपस्टीन की हत्या की गई थी। डोनाल्ड ट्रंप और एपस्टीन के संबंधों को लेकर भी कई सवाल उठाए गए हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।